भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो समाज सवाल पूछना छोड़ देता है, वह धीरे-धीरे सच बोलने की हिम्मत भी खो देता है–और फिर उसके फैसले वही करने लगते हैं, जो उसके नाम पर किए जाते हैं।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-78 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 7 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

काग़ज़ों में बदला गया नाम या सोच में बदली नीयत? – 'अंबेडकर सर्किल' बनाम 'पोलो सर्किल'

जयपुर की सड़कों पर इतिहास चलता है, पर इस बार इतिहास को काग़ज़ों में घसीटने की कोशिश दिखाई दे रही है। सवाल सीधा, गंभीर और असहज है–जयपुर में अचानक यह 'पोलो सर्किल' कब और कैसे प्रकट हो गया? क्या यह वही स्थान है, जिसे दशकों से जनता, प्रशासन और मानचित्र–तीनों–स्टैच्यू सर्किल से अंबेडकर सर्किल होते हुए विधानसभा टी-पॉइंट तक के रूप में जानते रहे हैं? अगर हाँ, तो फिर यह नया नाम किस आदेश, किस अधिसूचना और किस प्रक्रिया के तहत आया? यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

लोकतंत्र में नाम बदलना अपराध नहीं, पर नाम चुपचाप बदलना–वह भी संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से जुड़ी सार्वजनिक पहचान का–सिर्फ प्रशासनिक नहीं, नैतिक प्रश्न भी खड़ा करता है। यह सवाल इसलिए और गंभीर हो जाता है क्योंकि 'पोलो सर्किल' का उल्लेख राजस्थान राजपत्र (विशेषांक) जैसे आधिकारिक दस्तावेज़ में किया गया है। राजपत्र कोई अफ़वाह-पत्र नहीं होता; वह सरकार की कानूनी जुबान होता है। फिर यह नाम आया कहाँ से? यदि सरकार या प्रशासन का दावा है कि 'अंबेडकर सर्किल' का नाम बदला ही नहीं गया, तो फिर राजपत्र में ऐसा काल्पनिक नाम डालने का दुस्साहस कैसे हुआ? क्या जयपुर नगर निगम, जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) और शहरी विकास एवं आवासन (UDH) विभाग यह स्पष्ट करेंगे कि यह नाम किस नक़्शे में दर्ज है? किस बैठक में निर्णय हुआ? किस फाइल पर हस्ताक्षर हुए? और किस सार्वजनिक सूचना के ज़रिये जनता को बताया गया? यह सिर्फ नामकरण की तकनीकी बहस नहीं है। यह स्मृति, सम्मान और संवैधानिक मूल्यों की बहस है। बाबा साहेब अंबेडकर किसी दल या वर्ग के नहीं, भारतीय संविधान के शिल्पकार हैं–समानता, न्याय और गरिमा के प्रतीक। उनके नाम से जुड़े सार्वजनिक स्थल को काग़ज़ों से गायब करना–अगर ऐसा हुआ है–तो वह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीनता का प्रमाण होगा। और अगर यह जानबूझकर हुआ है, तो यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर सीधा आघात है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, पर शहर की स्मृतियाँ स्थायी होती हैं। जयपुर की जनता ने कभी 'पोलो सर्किल' नहीं जाना। न ट्रैफिक पुलिस की बोलचाल में, न परिवहन के नक़्शों में, न ही जन-व्यवहार में। यह मार्ग वर्षों से अंबेडकर सर्किल के नाम से पहचाना गया है। फिर यह नया नाम अचानक कैसे प्रकट हो गया–वह भी जनता की जानकारी के बिना? लोकतंत्र में निर्णय जनता से ऊपर नहीं होते; वे जनता के बीच, जनता के लिए और जनता को बताकर होते हैं। यह भी पूछा जाना चाहिए कि यदि किसी नामकरण या पुनर्नामकरण की आवश्यकता महसूस हुई, तो क्या सार्वजनिक परामर्श किया गया? क्या स्थानीय निकायों में चर्चा हुई? क्या सामाजिक संगठनों, इतिहासकारों और नागरिकों की राय ली गई? यदि नहीं, तो यह प्रक्रिया की अवहेलना है। और यदि हाँ, तो उसके दस्तावेज़ सार्वजनिक क्यों नहीं हैं? यह विवाद एक और असहज सवाल खड़ा करता है–क्या यह सिर्फ प्रशासनिक चूक है, या कहीं न कहीं उस असहजता का प्रतिबिंब है जो कुछ सत्ता-तंत्रों को बाबा साहेब के नाम से होती रही है? जब-जब संविधान की आत्मा–समानता और सामाजिक न्याय–पर बहस तेज़ होती है, तब-तब अंबेडकर का नाम कुछ लोगों को चुभने लगता है। क्या काग़ज़ों में नाम बदलकर स्मृति बदलने की कोशिश हो रही है? इतिहास बताता है–नाम बदले जा सकते हैं, विचार नहीं।

सरकार को चाहिए कि वह तुरंत स्थिति स्पष्ट करे। या तो वह आधिकारिक दस्तावेज़ों के साथ बताए कि 'पोलो सर्किल' किस वैधानिक प्रक्रिया से अस्तित्व में आया, या यह स्वीकार करे कि राजपत्र में गंभीर त्रुटि हुई है–और उसे तत्काल सुधारे। अस्पष्टता, टालमटोल और मौन इस आग में घी का काम करेंगे। पारदर्शिता ही एकमात्र रास्ता है।

अंत में, यह याद रखना ज़रूरी है कि शहरों की पहचान पत्थरों से नहीं, स्मृतियों से बनती है। और स्मृतियाँ सम्मान से जीवित रहती हैं। बाबा साहेब अंबेडकर का नाम किसी सर्किल पर होना केवल नामकरण नहीं, उस विचार का सार्वजनिक स्वीकार है जिसने भारत को लोकतांत्रिक बनाया। काग़ज़ों में कलम चलाकर यदि उस सम्मान को धुंधला करने की कोशिश हुई है, तो जनता की निगाहें इसे पढ़ना जानती हैं–और लोकतंत्र की आवाज़ इसे स्वीकार नहीं करेगी।

बैंक मैनेजर बोला-ट्रेन के आगे कूदने जा रहा था:4 करोड़ का करवाया था इंश्योरेंस

बैंक में लूट के लिए बदमाशों को दिए 20 लाख

भीम प्रज्ञा न्यूज

नवलगढ़ (झुंझुनूं)। झुंझुनूं में पंजाब नेशनल बैंक (**राजस्थान पत्रिकाहृपत्रिका**) में 6.50 करोड़ रुपए के गोल्ड लोन घोटाले के मुख्य आरोपी बैंक मैनेजर अमित जांगिड़ ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने बताया कि पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए मथुरा रेलवे स्टेशन पर सुसाइड करने जा रहा था। ट्रेन के सामने कूदने वाला था कि पुलिस ने पकड़ लिया। उसको पता था कि उसके फ्रॉड खुलासा हो सकता है इसलिए उसने एक गैंग को बैंक लूटने के लिए 20 लाख रुपए दिए थे। जनवरी के लास्ट वीक में ये लूट करने वाले थे। एसपी ने बताया- अमित जांगिड़ शेयर मार्केट में भी ट्रेडिंग करता था। जिसमें उसके करीब 2.50 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। दरअसल अमित जांगिड़ ने पिछले साल 4 करोड़ का इंश्योरेंस करवाया था। ऐसे में यदि वह सुसाइड भी कर लेता तो उसके घरवालों को 4 करोड़ रुपए मिलते। बैंक मैनेजर को शुक्रवार को पुलिस ने यूपी के मथुरा रेलवे स्टेशन के बाहर से पकड़ा। आरोपी ने पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास भी किया, लेकिन पीछा कर टीम ने उसे पकड़ लिया। मामला पीएनबी के नवलगढ़ ब्रांच का 3 फरवरी का है। तत्कालीन बैंक मैनेजर अमित जांगिड़, बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट संतोष कुमार सैनी और डिप्टी मैनेजर अनंतप्रकाश चौधरी के खिलाफ गोल्ड लोने घोटाले का केस दर्ज हुआ है।

बीसी संचालक भी गिरफ्तार

पुलिस ने बीसी (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) संचालक संतोष सैनी को भी गिरफ्तार किया है। शुरूआती जांच से पता चला है कि अमित जांगिड़ और संतोष सैनी की मिलीभगत से ही इस घोटाले को अंजाम दिया गया।

बैंक लुटवाने के लिए गैंग को 20 लाख रुपए दिए

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया- बैंक मैनेजर अमित और उसका साथी संतोष इतने ज्यादा शातिर थे कि पिछले 2 साल से इस तरह का फ्रॉड कर रहे थे। अप्रैल 2025 के बाद इन्होंने फ्रॉड को बढ़ा दिया। चौंकाने वाली बात तो यह है कि 130 से 140 ऐसे अकाउंट पुलिस ने चिह्नित किए हैं, जो फ्रॉड है और उन्हें लोन जारी कर दिया गया। आरोपियों ने अपने रिश्तेदारों और परिचितों के नाम पर ये गोल्ड लोन उठाया। सबसे बड़ा लूप होल यह है की शुरुआत में बताया जा रहा था कि गोल्ड करीब 4 किलो है, लेकिन गोल्ड 4 किलो नहीं है, इन्होंने एक ही सोने को कई बार गोल्ड लोन में काम लिया है।

सिस्टम से बाहर गए गोल्ड की रिकवरी हुई

एसपी ने बताया- जो भी गोल्ड बैंक सिस्टम से बाहर गया था। उसकी लगभग रिकवरी हो चुकी है। इसके अलावा आरोपियों ने केसीसी-पशु डेयरी लोन में भी फ्रॉड किया है। बैंक मैनेजर अमित जांगिड़ पुलिस से बचने के लिए वृंदावन आश्रम भी गया था।

बैंक मैनेजर अमित जांगिड़ की सम्पत्ति

- पत्नी के नाम से जमीन
- दो महंगी कार, एक बुलेट बाइक, दो पिकअप
- सीकर के पॉश इलाके में तीन मंजिला निर्माणाधीन मकान
- डेयरी फॉर्म, इसमें 100 से अधिक देशी-विदेशी नस्ल की गायें
- जयपुर में भी प्रोपर्टी

वहीं 5 हजार रुपए महीना की नौकरी करने वाले संतोष सैनी ने भी कई दुकान, प्लॉट व मकान खरीदे हैं। क्राइम से अर्जित इन सभी प्रॉपर्टी को जब्त किया जाएगा। बैंक में मौजूद अकाउंट पहले ही फ्रीज हो चुके है। अन्य बैंकों में मौजूद अकाउंट को फ्रीज करने की प्रक्रिया जा रही है।

ऐसे हुआ था मामले का खुलासा

वर्तमान बैंक मैनेजर मुकेश सिहाग ने रिपोर्ट में बताया था कि बैंक में गोल्ड लोन के बदले जमा किए गए सोने को गोल्ड सेफ में रखा गया। 28 जनवरी को गोल्ड सेफ का चार्ज डिप्टी मैनेजर सीमा महला को सौंपा जा रहा था।

इससे पहले स्ट्रॉन्ग रूम की दो चाबियां तत्कालीन बैंक मैनेजर अमित कुमार और डिप्टी मैनेजर अनंतप्रकाश चौधरी के पास थी। चार्ज ट्रांसफर के दौरान जांच में सेफ में रखे सोने की ज्वेलरी के पैकेट के साथ छेड़छाड़ का पता चला। बैंक प्रबंधन ने अपने स्तर पर जांच शुरू की तो इसका खुलासा हुआ।

पूर्व विधायक सीताराम नांगल चौधरी के विधायक के प्रवक्ता के रूप में बोल रहे है- विकास यादव पूर्व चेयरमैन

पूर्व विधायक सीताराम ने अटेली विधानसभा चुनावों में भीतरघात किया

मंदिर में गंगा जल चढने के लिए हमारे पास अनेक प्रमाण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । दक्षिण हरियाणा की सियासत एक बार फिर उबाल पर है चली हुई है। पूर्व विधायक सीताराम यादव द्वारा केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह पर झूठ बोलने व सार्वजनिक माफी मांगने के के एक वीडियो जारी करने पर उनके समर्थकों में नाराजगी देखी गयी। पूर्व विधायक सीताराम नांगल चौधरी के पूर्व विधायक के प्रवक्ता के रूप में बयान बाज कर रहे है इस पर पार्टी पूर्व विधायक पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करे। शुक्रवार को भाजपा व उनके समर्थकों ने अटेली में पत्रकार वार्ता कर जबाब दिया कि पूर्व विधायक सीताराम यादव ने अटेली के चुनावों में भाजपा की प्रत्याशी आरती राव के प्रचार में साथ रहे लेकिन उनके समर्थक व पुत्रों ने साजिश रच कर चुनाव में बगावत की। पत्रकार वार्ता में यादव महासभा प्रधान व अटेली नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव, कनीना ब्लाक समिति के प्रधान जयप्रकाश यादव, पार्टी के अटेली मंडलाध्यक्ष मुकेश गणियार, बाछौद के मंडल प्रधान मंजीत यादव, अटेली मंडल के पूर्व प्रधान पंडित कृष्ण बोचडिया, पार्षद प्रतिनिधि व भाजपा के प्रदाधिकारी शमशेर तुर्कि यावास, पूर्व चेयरमैन अशोक यादव, पूर्व मंडलाध्यक्ष विनोद कटकई, नपा के वाईस चेयरमेन रामकृष्ण जांगड़ा, मार्केट कमेटी के वाईस चेयरमैन राधेश्याम गोयल ने खुल कर पत्रकारों को बताया कि पूर्व विधायक ने विधानसभा चुनावों दोगली नीति के चलते भीतरघात किया। यादव महासभा प्रधान व अटेली नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव ने आधे घंटे की पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक के वीडियों के एक-एक सवाल का सिलसिलेवार तर्क के साथ जबाब दिया। पूर्व विधायक केंद्रीय मंत्री को गंगाजल व मंदिर में चढने की बात कही है उसकी कोई आवश्यकता नहीं है, अगर पूर्व विधायक गंगा जल लेकर मंदिर में चढने को तैयार है तो वह, स्वंय गंगा जल लेकर मंदिर में चढ़ कर पूर्व विधायक का पर्दाफाश करेगा। इस पर मौजूद सभी पदाधिकारियों ने भी सहमति जताई। पूर्व पूर्व चेयरमैन विकास यादव ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि राव साहब सच्चे व ईमानदार व्यक्ति है इसका प्रमाण पूर्व विधायक के चुनावों में अपने सगे भतीजे के खिलाफ प्रचार कर चुके है। इतना ही नहीं स्वास्थ्य मंत्री आरती राव भी अपने चचेरे भाई के विरूद्ध अटेली में पूर्व विधायक सीताराम के पक्ष में प्रचार किया था। इसके अलावा राव साहब ने अपनी ईमानदारी व पार्टी के प्रति वफादारी दिखाते हुए अपने सगे भाई के खिलाफ कोसली विधानसभा में जा कर भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार किया। भाजपा के नीतियों व राव साहब के जनाधार के बूते पार्टी तीसरी बार सत्ताशीन हुई। ब्लाक समिति के पूर्व चेयरमैन अशोक यादव ने कहा कि चुनाव प्रचार के समय पूर्व विधायक की चुनावों गलत रिर्पोट पर उनको कई बार आगाह किया था। पत्रकार वार्ता में कहा कि केंद्रीय मंत्री 36 बिरादरी के नेता है यही कारण है नारनौल में पहले जब मार्केट कमेटी के चेयरमैन की नियुक्ति जेपी सैनी को तथा अटेली में कमलेश सैनी तथा अब की बार वाईस चेयरमैन रामकिशन जांगिड़ तथा कनीना में वैश्य समाज से दीपक गुप्ता को वाइस चेयरमैन नियुक्त किया है। हरियाणा में राव इंद्रजीत सबसे बड़े जनाधार के नेता है। पत्रकार वार्ता में पूर्व सरपंच धर्मेंद्र, अटेली मंडी अध्यक्ष मुकेश कुमार, नगर पार्षद प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह, अजीत सिंह, मनफुल पार्षद, अंशुल पार्षद, कृष्ण शर्मा, अशोक, आनंद पार्षद प्रतिनिधि, महामंत्री घनश्याम अन्य मौजूद रहे। बता दें कि आठ जनवरी को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने एक टीवी पर इंटरव्यू दे कर पूर्व विधायक सीताराम पर चुनावों में मदद नहीं करने की बात कही थी। उसके बाद पूर्व विधायक सीताराम का गुरुवार को एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री पर झूठ बोलने सहित गंगा जल व मंदिर में चढ़ने जैसी अनेक बातें कही है। इसको लेकर एक बार फिर से क्षेत्र में राजनीति पारा बढ़ गया है।

रोल साहबसर में 35 वर्ष बाद अमर शहीद की प्रतिमा का अनावरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहपुर।

(राज वर्मा)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम रोल साहबसर में देशभक्ति और गर्व का भाव उस समय चरम पर दिखाई दिया, जब 35 वर्ष पूर्व शहीद हुए वीर सपूत दौलत सिंह की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। समारोह मुख्य बस स्टैंड स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित हुआ, जहाँ ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और सेना से जुड़े लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भावुक और ऐतिहासिक बना दिया। परिवारजनों के अनुसार, शहीद नायब सूबेदार दौलत सिंह भारतीय सेना की 5 राजपूताना राइफल में सेवारत थे और वर्ष 1980 में मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। शहादत के 35 वर्ष बाद उनकी प्रतिमा स्थापित होने से गांव में गौरव और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सैनिक कल्याण बोर्ड राजस्थान सरकार के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश के लिए बलिदान देने वाले जवान हमारे लिए देवी-देवताओं के समान हैं और उनका स्मरण हमें सदैव राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से शहीदों के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक हाकम अली खान, भाजपा नेता महावीर भोजदेसर, पूर्व सरपंच एजाज अली खान, उप सरपंच महबूब अली, वीरेंद्र सिंह शेखावत, ओम प्रकाश सिंह, सावंत सिंह सेना के जवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें। समारोह के दौरान शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई तथा देशभक्ति नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। ग्रामीणों ने कहा कि यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को देशप्रेम और बलिदान की प्रेरणा देता रहेगा।

पीएम कुसुम योजना: कुसुम-सी को 46.64 करोड़ रुपए की केंद्रीय मंजूरी

किसानों को दिन में मिलेगी बिजली

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । प्रदेश में पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेन्ट-सी में सोलर प्लांट लगाने वाले ऊर्जादाताओं तथा डवलपरों को अब जल्दी ही 46 .64 करोड़ की केंद्रीय वित्तीय सहायता मिलेगी, ताकि ग्रामीण इलाकों में किसानों को दिन के समय खेती लिए बिजली मिल सके। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने केंद्रीय वित्तीय सहायता देने को मंजूरी दे दी है। अब केन्द्रीय नोडल एजेंसी सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) द्वारा यह राशि सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने वाले ऊर्जादाताओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर की जाएगी। बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार का फोकस अब कुसुम-सी के लंबित प्रोजेक्ट्स को जल्द जमीन पर उतारने पर है। इसी रणनीति के तहत यह

वित्तीय सहायता जारी की गई है, ताकि राज्यों और लाभार्थियों को फंड की कमी के कारण किसी तरह की अड़चन न आए। इससे न केवल सोलर परियोजनाओं की रफ्तार तेज होगी, बल्कि किसानों की आय में भी स्थायी बढ़ोतरी का रास्ता खुलेगा।

3.62 लाख किसान सोलर एनर्जी से जुड़ेंगे

फीडर लेवल सोलराइजेशन के तहत कुसुम कम्पोनेंट-सी में 2,462 मेगावॉट के 991 प्रोजेक्ट लगे हैं। इनमें से स्थापित सोलर पीवी क्षमता के आधार पर 233 करोड़ से अधिक की राशि के क्लेम मंत्रालय को भेजे जा चुके हैं। इसके आधार पर एमएनआरई ने प्रथम चरण में जयपुर, जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम को 46 करोड़ 64 लाख रुपए के स्वीकृति आदेश जारी किए हैं। जिनसे एक लाख 41 हजार 589 किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली मिल रही हैद्य इस वर्ष के अंत तक कम्पोनेन्ट-सी में 5018 मेगावॉट के 1997 प्लांट स्थापित कराने का लक्ष्य है जिससे 3 लाख 62 हजार 197 कृषकों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा सकेगा। राज्य में कम्पोनेन्ट-ए एवं कम्पोनेन्ट-सी में 2877 मेगावॉट के 1307 विकेंद्रित सौर ऊर्जा संयंत्र लग चुके है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पीएम मोदी की पहल पीएम कुसुम योजना (कम्पोनेन्ट ए तथा सी) में राजस्थान ने तीन हजार मेगावाट की क्षमता अर्जित की है।

यह है कुसुम-सी योजना

कुसुम योजना का यह घटक किसानों को सौर ऊर्जा उत्पादक (ऊर्जादाता) बनने का अवसर देता है। इसके तहत किसान अपनी जमीन पर ग्रिड से जुड़े सोलर प्लांट लगाकर बिजली उत्पादन कर सकते हैं और अतिरिक्त बिजली बेचकर आय अर्जित कर सकते हैं।

प्रदेश को मिला था गोल्ड अवॉर्ड

कुसुम कम्पोनेन्ट-सी में फीडर लेवल सोलराइजेशन में भी राजस्थान डिस्कॉम्स देश में अग्रणी है। पिछले दिनों ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के समारोह में केन्द्रीय विद्युत मंत्री ने राजस्थान डिस्कॉम्स को गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया।

प्याज का सीमित प्रयोग गंभीर रोगों से दिलाता है छुटकारा

अधिकतर भारतीय लोगों के घरों में हरे व सफेद प्याज का इस्तेमाल किया जाता है. खाने-पीने का स्वाद बढ़ाने के अलावा सभी प्याज औषधीय गुणों से भरपूर होती है. इसके अर्क में कई बीमारियों से राहत दिलाने की क्षमता होती है. गर्मियों में इसे सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जा सकता है।

आज हमारे घरों में बिना प्याज के खाना अधूरा माना जाता है। प्याज एक ऐसी सब्जी है, जिसे लगभग सभी चीजों में डालकर खाया जा सकता है। कच्चा प्याज सलाद में भी भरपूर खाया जाता है। प्याज खाने में टेस्टी लगता है और सेहत को फायदे पहुंचाता है। इस सब्जी में कई शक्तिशाली तत्व होते हैं, जो आपके शरीर को जानलेवा बीमारियों से बचाने में सक्षम हो सकते हैं। आयुर्वेद की कई जनरल रिसर्च में पाया गया है कि प्याज को हार्ट डिजीज, डायबिटीज से लेकर कैंसर से बचाने में फायदेमंद माना गया है। गर्मियों में प्याज लू से बचाने में कारगर होती है. इस सब्जी के अनगिनत फायदे होते हैं। आयुर्वेद हेल्थ व्यूह की रिपोर्ट के मुताबिक प्याज सबसे ज्यादा पौष्टिक सब्जियों में शुमार की जाती है। यह सस्ती सब्जी कई हेल्दी विटामिन, मिनरल्स और प्लांट कंपाउंड का खजाना मानी जाती है। औषधीय गुणों से भरपूर प्याज का इस्तेमाल आयुर्वेद और अन्य चिकित्सा प्रणालियों में सैकड़ों सालों से किया जा रहा है। प्राचीन काल में सैनिक अपने खून को शुद्ध करने के लिए प्याज का उपयोग करते थे, जबकि मध्यकालीन युग में इसे सिरदर्द, हृदय रोग और मुंह के घावों के इलाज में मदद करने के लिए असरदार माना जाता था. मॉडर्न साइंस ने भी प्याज को पावरफुल सब्जी माना है और रिसर्च में इसके फायदे सामने आए हैं। प्याज में मुख्यतः प्रोटीन, कार्ब्स, शुगर, फाइबर, फैट, पोटेशियम, विटामिन ष्ट समेत पोषक तत्वों का भंडार होता है. इससे हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है. विटामिन सी आयरन अब्जॉर्प्शन को बेहतर बनाता है, जिससे खून की कमी नहीं होती है. प्याज में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेट खतरनाक फ्री रेडिकल्स से बचाने में सक्षम होते हैं. मेटाबॉलिज्म और नर्व सिस्टम के लिए भी प्याज का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है।कुछ साल पहले सामने आई एक रिसर्च में पता चला था कि प्याज के अर्क का सेवन करने से ब्लड शुगर को 25-30 फ़ीसदी तक कम करने में मदद मिल सकती है. रिसर्च करने वाले वैज्ञानिकों ने इसे डायबिटीज कंट्रोल करने का सबसे सस्ता और आसान तरीका बताया था. प्याज का सेवन करने से मोटापा और हाई कोलेस्ट्रॉल से भी राहत मिल सकती है. प्याज खाने से डायबिटीज और हार्ट डिजीज समेत कई जानलेवा बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। प्याज और लहसुन जैसी सब्जियां पेट और कोलोरेक्टल कैंसर सहित कुछ प्रकार के कैंसर के खतरे को कम कर सकती हैं. प्याज में एंटी-कैंसर गुण व प्रॉपर्टी होती हैं. 2018 में कुल 13,800 लोगों पर किए गए 20 अध्ययनों की समीक्षा में शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि सबसे अधिक प्याज का सेवन करने वाले लोगों में सबसे कम सेवन करने वाले लोगों की तुलना में कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा 25त्न कम था. प्याज में फिसेटिन और क्वेरसेटिन भी होते हैं, जो फ्लेवोनोइड एंटीऑक्सिडेंट हैं और ये ट्यूमर के विकास को रोक सकते हैं! हड्डियों को मजबूत करने के लिए दूध-दही, पनीर और अन्य डेयरी प्रोडक्ट को बढ़िया माना जाता है, लेकिन प्याज भी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग प्रति दिन कम से कम एक बार प्याज खाते थे, उनकी हड्डियों का घनत्व उन लोगों की तुलना में 15त्न अधिक था, जो प्रति माह एक बार या उससे कम बार प्याज खाते थे. प्याज ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने, एंटीऑक्सीडेंट के स्तर को बढ़ाने और हड्डियों के नुकसान को कम करने में मदद करता है. इससे अस्थि रोग ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने और हड्डियों के घनत्व में सुधार करने में मदद मिलती है। 2010 की एक टेस्ट-ट्यूब स्टडी से पता चलता है कि प्याज का रस या अर्क विब्रियो कॉलेरी के विकास को रोक सकता है. विब्रियो कॉलेरी एक प्रकार का बैक्टीरिया होता है जो दुनिया के कुछ हिस्सों में अनेक बीमारियां फैलने की वजह है. प्याज से निकाला गया क्वेरसेटिन तत्व इस खतरनाक बैक्टीरिया के विकास को भी कम कर सकता है। ये बैक्टीरिया पेट के अल्सर, पाचन तंत्र में परेशानी और कुछ प्रकार के कैंसर की वजह बन सकता है।प्याज में भरपूर एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। प्याज फाइबर और प्रीबायोटिक्स का अच्छा सोर्स है, जिससे आंतों की हेल्थ बेहतर हो सकती है.।प्रीबायोटिक खाद्य पदार्थों का सेवन लैक्टोबैसिलस और बिफीडोबैक्टीरियम स्ट्रेन जैसे प्रोबायोटिक्स को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है, जो पाचन स्वास्थ्य को सुधारते हैं. प्याज प्रीबायोटिक्स और फ्रुक्टुलिगोसैकेराइड्स से भरपूर होता है। जो आपके आंत में अनुकूल बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाने और इम्यून सिस्टम सुधारने में मदद कर सकते हैं.।प्याज को पाचन सिस्टम को दुरुस्त करने में असरदार माना जा रहा है। आयुर्वेद में प्याज को पलांडू कहते हैं ।मात्रा से खाया जाए तो शरीर को कई बीमारियों से बचाया जा सकता है।

प्राकृतिक दिनचर्या

स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन की आधारशिला

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर अपने शरीर और मन की जरूरतों को नजरअंदाज कर देते हैं। देर रात तक जागना, अनियमित भोजन, मोबाइल और स्क्रीन पर ज्यादा समय और लगातार तनाव, ये सब धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। ऐसे समय में प्राकृतिक दिनचर्या हमें फिर से संतुलन की ओर ले जाती है। यह कोई कठिन नियमों वाली व्यवस्था नहीं है, बल्कि प्रकृति की लय के साथ जीने का एक सहज तरीका है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर अपने शरीर और मन की जरूरतों को नजरअंदाज कर देते हैं। देर रात तक जागना, अनियमित भोजन, मोबाइल और स्क्रीन पर ज्यादा समय और लगातार तनाव, ये सब धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। ऐसे समय में प्राकृतिक दिनचर्या हमें फिर से संतुलन की ओर ले जाती है। यह कोई कठिन नियमों वाली व्यवस्था नहीं है, बल्कि प्रकृति की लय के साथ जीने का एक सहज तरीका है। प्राकृतिक दिनचर्या की शुरुआत सुबह से होती है। सूरज उगने से पहले उठना तन और मन दोनों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। इस समय वातावरण शांत और शुद्ध होता है, जिससे मन एकाग्र रहता है। सुबह उठकर कुछ देर टहलना, योग करना, प्राणायाम या ध्यान करना पूरे दिन के लिए ऊर्जा और सकारात्मकता देता है। यह समय खुद से जुड़ने और दिन की योजना बनाने के लिए भी सबसे अच्छा होता है। शरीर की प्राकृतिक जरूरतों का सम्मान करना भी प्राकृतिक दिनचर्या का अहम हिस्सा है। भूख लगे तो खाना, नींद आए तो सोना और शौच-मूत्र को न रोकना जैसी छोटी-छोटी बातें दिखने में साधारण लगती हैं, लेकिन इन्हीं से अच्छा स्वास्थ्य बनता है। इन्हें बार-बार रोकने से शरीर में कई तरह की परेशानियां पैदा हो सकती हैं।

साफ-सफाई पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। रोज सुबह और रात दांत साफ करना, जीभ की सफाई करना, नहाना और साफ कपड़े पहनना न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी तरोताजा करता है। तेल से हल्की मालिश करने से शरीर की थकान दूर होती है और रक्तसंचार बेहतर होता है। यह एक तरह से खुद को समय देने का सुंदर तरीका है।

भोजन के मामले में प्राकृतिक दिनचर्या हमें सादगी सिखाती है। समय पर, जरूरत के अनुसार और पौष्टिक भोजन करना चाहिए। बहुत ज्यादा तला-भुना, जंक फूड या देर रात खाना शरीर को भारी और सुस्त बना देता है। मौसम और अपनी क्षमता के अनुसार भोजन चुनना ही समझदारी है। पानी भी समय-समय पर पीते रहना चाहिए, न बहुत कम और न ही जरूरत से ज्यादा।

शारीरिक गतिविधि और विश्राम, दोनों का संतुलन बहुत जरूरी है। रोज थोड़ा-बहुत व्यायाम शरीर को मजबूत बनाता है, वहीं रात में 6 से 8 घंटे की अच्छी नींद शरीर और दिमाग को पूरी तरह आराम देती है। दिन में बार-बार सोने की आदत से बचना चाहिए, जब तक कि शरीर इसकी मांग न करे।

दांतों के लिए साइलेंट किलर है सड़न

जानें कब बढ़ सकती है दांतों से जुड़ी समस्याएं

दांतों में दर्द की परेशानी या सूजन की समस्या पर सभी ध्यान देते हैं, लेकिन सड़न दांतों के लिए साइलेंट किलर की तरह काम करती है। बाहर से चमकदार दिखने वाले दांतों के अंदर कब धीरे-धीरे छेद बन जाता है, ये पता ही नहीं चलता और जब चलता है, तब तक सड़न दांतों को घेर चुकी होती है। दांतों में सड़न की समस्या से असहनीय दर्द होता है और ये धीरे-धीरे सारे दांतों को संक्रमित कर देती है; ऐसे में दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। दांतों में सड़न की प्रक्रिया बहुत धीमी गति से होती है और इसके लक्षण भी नजर नहीं आते हैं। दर्द के बाद पता चलता है कि दांतों में सड़न हो चुकी है। दांतों में सड़न के बहुत सारे कारण हो सकते हैं, जैसे ज्यादा मीठा खाना, सही तरीके से ब्रश और कुल्ला न करना, मुंह में लार में कमी होना, कैल्शियम और विटामिन डी की कमी, साथ ही रात में बिना ब्रश किए सो जाना। ये सभी कारण दांतों में सड़न पैदा करने के लिए काफी हैं।

आयुर्वेद में दांतों की सड़न से बचने के लिए और मसूड़ों की मजबूती के लिए कई घरेलू उपाय बताए गए हैं, जिन्हें घर बैठे आराम से कर सकते हैं। पहला है लौंग के तेल का इस्तेमाल। लौंग का तेल दांतों के दर्द और बैक्टीरिया को कम करने का काम करता है, जिससे सड़न की प्रक्रिया कम हो जाती है। इसके लिए रात के समय लौंग के तेल को कुछ समय के लिए दांतों पर लगाकर छोड़ दें और पानी से साफ कर लें।

दूसरा है नीम से दातुन या कुल्ला। नीम प्राकृतिक एंटी बैक्टीरियल है, जो दांतों से बैक्टीरियल संक्रमण को कम करने में मदद करता है। वहीं नीम की दातुन भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। तीसरा है नारियल तेल से ऑयल पुलिंग। ऑयल पुलिंग दांतों के कोनो-कोनों में जाकर गंदगी को साफ करने का काम करती है और दांतों पर लगे पीलेपन को साफ करती है। इसके लिए तेल को मुंह के अंदर 5 मिनट के लिए घुमाएं और फिर कुल्ला कर लें।

चौथा है नमक और सरसों के तेल का मिश्रण। नमक और सरसों के तेल का मिश्रण दांतों के दर्द में राहत देता है और दांतों में पनप रहे बैक्टीरिया का भी नाश करता है। हफ्ते में तीन बार इस मिश्रण को लगाने से दांतों से पीलापन भी कम हो जाता है। इन नुस्खों के अलावा, आहार में बदलाव भी जरूरी हैं।

आहार में कैल्शियम और विटामिन डी शामिल करें। कैल्शियम और विटामिन डी दोनों मिलकर दातों को मजबूती देते हैं और मसूड़ों से खून आने की समस्या भी कम होती है। इसके साथ ही दांतों के लिए विटामिन सी भी जरूरी है; इसके लिए दिन में एक समय किसी खट्टे फल का सेवन जरूर करें। यह भी दांतों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

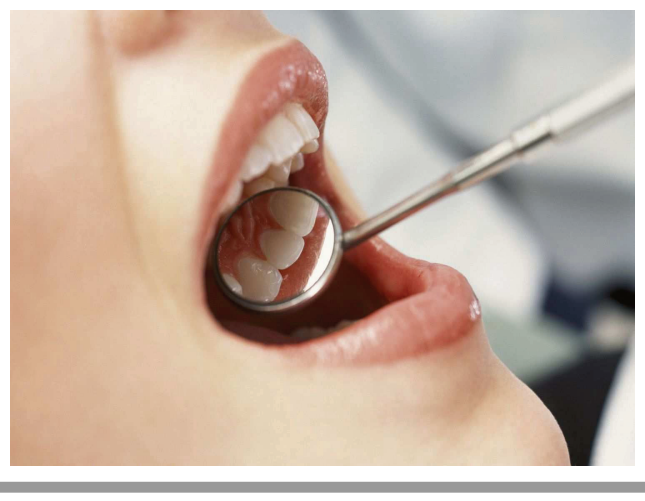

दांतों में दर्द की परेशानी या सूजन की समस्या पर सभी ध्यान देते हैं, लेकिन सड़न दांतों के लिए साइलेंट किलर की तरह काम करती है। बाहर से चमकदार दिखने वाले दांतों के अंदर कब धीरे-धीरे छेद बन जाता है, ये पता ही नहीं चलता और जब चलता है, तब तक सड़न दांतों को घेर चुकी होती है। दांतों में सड़न की समस्या से असहनीय दर्द होता है और ये धीरे-धीरे सारे दांतों को संक्रमित कर देती है; ऐसे में दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है।

आईपीएस दंपति ने रचा नया इतिहास: इंटर कास्ट, दहेज रहित और सादगीपूर्ण विवाह बना मिसाल

सादगी की मिसालः प्रेम और परिवार की सहमति से बंधे आईपीएस आशीष-आकांक्षा

बहुजन समाज से निकलकर आईपीएस बने, अब इंटर कास्ट विवाह से दिया सामाजिक संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । आईपीएस जोड़े दंपति का एक इंटर कास्ट व प्रेम कम अरेंज मैरिज अटेली क्षेत्र में दहेज रहित व सादगी से होने पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अटेली कस्बे के निवासी बस्तीराम जो दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत है उनके पुत्र आईपीएस आशीष कुमार ने महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के वणी गांव निवासी डा. मिलिंद तमगड़े की आईपीएस पुत्री आकांक्षा से ट्रेनिंग के दौरान प्रेम हो गया था। उसके बाद दोनो शिक्षित जोड़े ने अपने परिजनों को अपने प्रेम के बारे में जानकारी दी। दोनों परिवारों ने अपनी सहमति प्रदान कर दी। इसके बाद दोनों का प्रेम, गुरुवार को विवाह में तब्दील हो गया। अटेली कस्बे के एक समारोह स्थल में दोनों ने फूल माला व अपने रीति रिवाज से विवाह बंधन में बंध गये। दोनों परिवार ने दहेज रहित व जाति बंधन को दूर करने के लिए खुशी-खुशी रीति रिवाज अपने बेटा-बेटी का विवाह किया। विवाह में आईपीएस दंपति जोड़े को दीर्घायु व सुखद वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। लड़के की माता राजबाला अध्यापिका है जबकि लड़की की माता माधुरी भी राजकीय सेवा में कार्यरत है। आईपीएस के पिता ने बताया कि दोनों का कैडर पहले अलग-अलग राज्य था लेकिन अब यूटी कैडर मिल गया तथा वर्तमान में अझाण चल प्रदेश में तैनात है। आईपीएस दंपति ने बताया कि संविधान की ताकत से एक बहुजन समाज के साधारण परिवार ने प्रतिष्ठित आईपीएस परीक्षा को पास कर राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाएंगे। हमने पहले ही निर्णय लिया था कि बिना दहेज व सादगी से विवाह किया जाएगा। संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर को हम अपना आदर्श मानते है उनके द्वारा संविधान के अधिकारों के बल पर यह नौकरी मिली। बाबा साहब के एनिलेशन आफ कास्ट के लिए इंटर कास्ट मैरिज की है वैसे हम दोनों के विचार मिलने पर विवाह बंधन में बंधे है। आईपीएस दंपति ने कहा कि इंटर कास्ट व लव मैरिज करना गलत नहीं है लेकिन उसमे परिवार की सहमति मिलने पर जीवन अच्छा चलता है। नौजवान पहले अपने पैरों पर खड़ा हो कर लव मैरिज करे लेकिन कुछ मान्यताओं को भी ध्यान में रखे ।

सांसेडी में शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान, 300 लोगों ने कराया नि:शुल्क नेत्र परीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड मे मेजर करण सिंह फाउंडेशन के तत्वावधान में ग्राम सांसेडी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार, 6 फरवरी को वीर शहीदों की वीरांगनाओं के सम्मान समारोह एवं नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों की पत्नियों को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। फाउंडेशन के रविंद्र यादव ने बताया कि नीमराना उपखंड क्षेत्र की वीरांगनाओं को आमंत्रित कर उनके सम्मान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई रहे। विशिष्ट अतिथियों में नीमराना मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव, डीएसपी चारुल गुप्ता, शाहजहांपुर थाना प्रभारी प्रक्रिता सिंह, कमांडर आर.पी. यादव, कप्तान दिनेश सांसेडी, लेफ्टिनेंट रविंद्र सांसेडी, सुनील प्रवक्ता, शाहजहांपुर प्रिंसिपल मुकेश यादव तथा जिला पार्षद संदीप यादव फौलादपुरिया सहित कई गणमान्यजन लोग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एसपी देवेंद्र कुमार विश्नोई ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद सैनिकों के परिवारों का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। सैनिकों के बलिदान से ही देश सुरक्षित और सशक्त है। कार्यक्रम के साथ आयोजित नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में लगभग 300 लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई और चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। मंच संचालन पूर्व शिक्षाविद वीरेंद्र मास्टर, महेंद्र गौड़ एवं सुनील यादव ने किया। इस अवसर पर मैनकाइंड इंडस्ट्री के नीरज जायसवाल, मूलचंद गुर्जर (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान शिक्षक संघ पंचायती राज), एडवोकेट प्रशांत, जोनायचा कलां प्रिंसिपल रेखा यादव, सिरयानी सरपंच उमाशंकर यादव, भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह भाया, सुनील यादव रिवाली, कैप्टन सुरेंद्र यादव, रोहित (जिला सैनिक कल्याण बोर्ड बहरोड़), शिक्षाविद रामधन यादव, पूर्व सैन्य अधिकारी कौशल सिंह चौहान, दीपक पटेल काली पहाड़ी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतराः राज्यसभा सांसद सुभाष बराला

राज्यसभा में सांसद सुभाष बराला ने शून्यकाल के दौरान उठाया मुद्दा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शुक्रवार को शून्यकाल के दौरान राज्यसभा में बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े एक अत्यंत गंभीर और दूरगामी प्रभाव वाले विषय पर चर्चा करते हुए देश में तेजी से बढ़ रहे अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के उपभोग पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह विषय केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे-सीधे विकसित भारत की आधारशिला से जुड़ा हुआ है। बराला ने सदन में कहा कि भारतीय सभ्यता में भोजन को कभी केवल उपभोग की वस्तु नहीं माना गया। हमारे लिए अन्न संस्कार था, विज्ञान था और संतुलन था। मां के हाथ का सादा भोजन, मौसमी अनाज, दालें, छाछ, दही और मोटे अनाज वह आधार रहे हैं, जिन्होंने पीढ़ियों तक भारत को स्वस्थ, श्रमशील और आत्मनिर्भर बनाए रखा। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज स्थिति तेजी से बदल रही है। बच्चे पैकेट वाले, अत्यधिक मीठे और नमकीन खाद्य पदार्थों के आदी हो रहे हैं। ये खाद्य पदार्थ पेट तो भर देते हैं, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषण नहीं दे पाते। इसका परिणाम यह है कि बच्चों में मोटापा, डायबिटीज और अन्य गैर-संक्रामक बीमारियाँ खतरनाक गति से बढ़ रही हैं। देश में हर चार में से एक वयस्क प्री-डायबिटिक या डायबिटिक है और बच्चों में मोटापा चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। राज्यसभा सांसद ने बताया कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में पोषण अत्यंत कम, जबकि चीनी, नमक और अस्वस्थ वसा अत्यधिक मात्रा में होती है। इन्हें इस प्रकार तैयार और प्रचारित किया जाता है कि बच्चों में इनकी लत लग जाए। आक्रामक विज्ञापनों और आकर्षक पैकेजिंग के माध्यम से बच्चों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। नतीजतन, हमारे बच्चे उपभोक्ता नहीं, बल्कि बाजार बनते जा रहे हैं। श्री बराला ने सदन को अवगत कराया कि अमेरिकन वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध में यह सामने आया है कि कई पैकेज्ड फूड्स में ऐसे तत्व मिलाए जाते हैं, जो सिगरेट की तरह लत पैदा करते हैं। इस शोध के आधार पर प्रकाशित एक महत्वपूर्ण पेपर में एडिक्शन साइंस, पब्लिक हेल्थ हिस्ट्री और पॉलिसी से जुड़े साक्ष्यों को जोड़ते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि अनेक अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स को जानबूझकर उसी इंडस्ट्री प्लेबुक का उपयोग कर बनाया गया है, जिससे आधुनिक सिगरेट तैयार की गई थीं। यह शोध मार्केटिंग रेगुलेशन के लिए एक मजबूत आधार प्रस्तुत करता है, जैसा कि इंडिया के इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 में भी रेखांकित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि देश के भविष्य, कार्यबल की गुणवत्ता और आर्थिक मजबूती से जुड़ा प्रश्न है। यदि बच्चे अस्वस्थ होंगे, तो वे भविष्य में एक मजबूत कार्यबल नहीं बन पाएंगे और देश पर स्वास्थ्य खर्च का बोझ कई गुना बढ़ जाएगा। राज्यसभा सांसद ने सरकार से आग्रह किया कि बच्चों को लक्षित अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड विज्ञापनों पर सख्त रोक लगाई जाए, पैकेट पर स्पष्ट और प्रभावी चेतावनी लेबलिंग अनिवार्य की जाए, स्कूलों और आंगनवाडियों में पारंपरिक भोजन एवं मोटे अनाज को बढ़ावा दिया जाए, ईट राइट इंडिया' अभियान और मिलेट्स मिशन को और अधिक सशक्त किया जाए। उन्होंने यूनाइटेड किंगडम के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार वहां बच्चों के खाद्य विज्ञापनों और जंक फूड पर कड़े नियम बनाए गए हैं, उसी तरह भारत में भी समय रहते सख्त और प्रभावी नियम लागू किए जाने चाहिए। श्री सुभाष बराला ने कहा कि स्वस्थ बच्चे ही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हमें सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाना है, तो बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

थाना सदर फतेहाबाद पुलिस की कार्रवाई: घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में दो आरोपी काबू

रंजिश के चलते महिला से अभद्रता व लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट एवं महिला से अभद्रता के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को काबू किया है। काबू किए गए आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि शिकायतकर्ता सतनाम सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह, निवासी गांव भिरडाना, तहसील एवं जिला फतेहाबाद ने अपनी शिकायत में बताया कि दिनांक 30.01.2026 की रात को आरोपी अमनदीप उर्फ सोनू पुत्र बलवंत सिंह, निवासी भिरडाना, उनके बड़े भाई के घर की दीवार फांदकर अंदर घुस गया और गलत नीयत से महिला के साथ अभद्रता की। शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।शिकायतकर्ता ने आगे बताया कि उसी दिन दोपहर बाद आरोपी अमनदीप के परिजनों एवं उसके बहनोई सुनील कुमार पुत्र निहाल सिंह, निवासी गांव गंधा, जिला फतेहाबाद ने रास्ता रोककर शिकायतकर्ता के परिजनों के साथ मारपीट की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल फतेहाबाद एवं मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में भर्ती कराया गया।चिकित्सकीय रिपोर्ट एवं शिकायत के आधार पर थाना सदर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 35, दिनांक 05.02.2026, धारा 115(2), 126(2), 332(सी) एवं 3(5) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को काबू कर लिया है। मामले की आगामी जांच जारी है तथा अन्य आरोपियों की भूमिका के संबंध में भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नवलगढ़ आगमन पर अभिमन्यु पूनिया का भव्य स्वागत

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया के नवलगढ़ आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। उनके स्वागत को लेकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं और कांग्रेसजनों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।जानकारी के अनुसार, अभिमन्यु पूनिया के नवलगढ़ पहुंचने पर फूल-मालाओं, पारंपरिक साफा-पगड़ी और जोरदार नारों के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस मौके पर कांग्रेस पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष एवं पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष लोकेश जांगिड़, पार्षद प्रदीप शर्मा, युवा कांग्रेस जिला महासचिव वशीम तगाला, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुनिल गुर्जर, जिला सचिव आदिल खत्री, अदनान अली आबिद खत्री जिंदरान,मनु गुजराती, देवीपुरा उपसरपंच पंकज गुर्जर,एजाज खोखर, आदित्य चौधरी परसरामपुरा, खालिद खत्री, कैफ चौहान, मोहम्मद खत्री, नवाब,क्यूम मौजूद रहे

भीम प्रज्ञा कविता

एक अनकही प्यास

बिना पंखों के,
एक ऊंची उड़ान।
बिना आवाज़ के,
एक गहरा अरमान।

जैसे रेत को,
नदी का इंतज़ार।
जैसे पतझड़ में,
छुपी हुई बहार।

वो जो आँखों में,
एक तारा चमकता है।
वही तो सूने रास्तों पर,
साथ चलता है।

अगर वो कशिश न हो,
तो सब ठहरा हुआ है।
वही एक धागा है,
जिसने सबको बुना हुआ है।

उसी के होने से,
आज में जान है।
वही एक एहसास,
हम सबकी पहचान है।

क्षमा राव, मुंबई कवयित्री

अधिवक्ता ईशान मिश्रा बने भारत सरकार के झुंझुनूं जिले के एडिशनल स्टैंडिंग काउंसिल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंड्रेला।

भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा 6 फरवरी को जारी आदेश के अनुसार राजस्थान हाईकोर्ट के अधिवक्ता ईशान मिश्रा को झुंझुनूं जिले के लिए एडिशनल स्टैंडिंग गवर्नमेंट काउंसिल नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति आगामी तीन वर्षों के लिए की गई है। इस दायित्व के अंतर्गत अधिवक्ता ईशान मिश्रा अब जिला न्यायालय झुंझुनूं और जिले की सभी अधीनस्थ न्यायालयों में भारत सरकार की ओर से पैरवी करेंगे सिर्फ टैक्स मामलों को छोड़कर, उनकी नियुक्ति से जिले में केंद्र सरकार से जुड़े मामलों की प्रभावी, सशक्त और विधिसम्मत पैरवी को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। अधिवक्ता ईशान मिश्रा ने इस नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा मुझे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, इसके लिए मैं विधि एवं न्याय मंत्रालय का आभार व्यक्त करता हूं। मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप भारत सरकार के हितों की रक्षा हेतु अपने दायित्वों का निर्वहन करूंगा। न्याय व्यवस्था में पारदर्शिता और प्रभावी पैरवी मेरी प्राथमिकता रहेगी। उनकी इस नियुक्ति पर जिले के अधिवक्ताओं एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयाँ दी हैं और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दी हैं।

कृषि मंत्री किरोडीलाल ने 2.63 करोड़ की दो सीसी सड़कों का किया शिलान्यास

यह सड़कें नहीं, गांवों के भविष्य की नींव हैं-डॉ.किरोडीलाल मीना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को विकास की रफ्तार को नई दिशा मिली, जब राज्य के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने गगवाना मोड़ पर बालाहेड़ी मोड़ से आबादी क्षेत्र गगवाना तक 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी सड़क का शिलान्यास कर ग्रामीणों को बहुप्रतीक्षित राहत की सौगात दी। शिलान्यास समारोह में उमड़ी भारी भीड़ और आत्मीय स्वागत के बीच मंत्री ने कहा कि यह केवल एक सड़क नहीं, बल्कि गांव की सुविधा, सुरक्षा और भविष्य की मजबूत नींव है, जो आवागमन को सुगम बनाकर ग्रामीण जीवन को स्थायी सहूलियत देगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों द्वारा दिए गए स्नेह, विश्वास और मान-सम्मान को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा बताते हुए हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि जनता का भरोसा ही जनसेवा की असली पूंजी है। इसके बाद कृषि मंत्री ग्राम बालाहेड़ा पहुंचे, जहां नीमड़ी वाले बाबा के विशाल भंडारे में सहभागिता कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इसी क्रम में बालाहेड़ा से बालाहेड़ी तक 2.13 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सीसी सड़क का भी शिलान्यास किया गया। मंत्री ने कहा कि यह मार्ग केवल आने-जाने का रास्ता नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करते हुए क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास की रीढ़ बनेगा और ग्रामीण बस्तियों को मुख्य मार्गों से सुरक्षित कनेक्टिविटी देगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों के भव्य और आत्मीय स्वागत से अभिभूत मंत्री ने दोहराया कि लोगों का अपनापन और भरोसा ही उन्हें निरंतर जनहित में काम करने की ऊर्जा देता है। पूरे आयोजन में महवा विधायक राजेंद्र मीना भी अपने चाचा कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना के साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर भारी संख्यां में क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता, पंच-पटेल, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

एनीमिया मुक्त राजस्थान के लिए कार्यशाला, 6*6*6 रणनीति से अभियान को गति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । एनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान के तहत शुक्रवार को नीमराना ब्लॉक में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीमराना प्रधान संतोष बलवान यादव एवं ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) डॉ. सुरेश यादव ने की। इस अवसर पर प्रधान संतोष बलवान यादव ने संपूर्णता अभियान और स्वच्छ भारत अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के बिना एनीमिया मुक्त समाज का निर्माण संभव नहीं है और इसके लिए प्रत्येक स्तर पर सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। बीसीएमओ डॉ. सुरेश यादव ने एनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान की 6*6*6 रणनीति की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस मॉडल के अंतर्गत 6 लक्षित वर्गों, 6 प्रमुख हस्तक्षेपों और 6 क्रियान्वयन तंत्रों के माध्यम से एनीमिया की पहचान, रोकथाम और उपचार को प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस (महिला एवं बाल विकास विभाग) और शिक्षा विभाग के समन्वित प्रयास अभियान की सफलता की कुंजी हैं। बीपीओ नरेंद्र सिंह ने एनीमिया के कारणों, लक्षणों और बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी देते हुए जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। वहीं नीति आयोग फेलो अमन खंडेलवाल ने संपूर्णता अभियान के उद्देश्यों और उसकी प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी - कर्मचारी, आशा सहयोगिनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अन्य संबंधित कार्मिक उपस्थित रहें। सभी ने एनीमिया मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर और सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

रेवाड़ी में शिक्षा का गौरवः ज्योति कुमारी और रामावतार एकलव्य ने नेट जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

शिक्षा के क्षेत्र में जिले के लिए गर्व का क्षण रहा, जब ज्योति कुमारी एवं 65 वर्षीय रामावतार एकलव्य ने नेट जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। सेवा स्तंभ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पार्क एवं लाइब्रेरी, मॉडल टाउन रेवाड़ी की जिला इकाई के अध्यक्ष भगत सिंह बौद्ध व समस्त पदाधिकारियों ने दोनों प्रतिभाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। गांव राजियाका निवासी ज्योति कुमारी, पत्नी अमृत यादव, ने भूगोल विषय में 186 अंक प्राप्त कर नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपनी सास कविता देवी एवं ससुर जसवंत सिंह के मार्गदर्शन को दिया। उल्लेखनीय है कि जसवंत सिंह हरियाणा रोडवेज से उपनिरीक्षक पद से सेवानिवृत्त हैं। वहीं रेवाड़ी निवासी 65 वर्षीय रामावतार एकलव्य, जो हरियाणा सरकार से सेवानिवृत्त अधिकारी रहे हैं, ने सातवीं बार नेट जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण कर दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम की मिसाल पेश की है। उनकी इस उपलब्धि को लेकर शिक्षा जगत में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। सेवा स्तंभ जिला इकाई की ओर से दोनों सफल अभ्यर्थियों एवं उनके परिवारों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे प्रयास समाज के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तृतीय चरण के अंतर्गत डीपीआर अनुमोदन को लेकर ब्लॉक स्तरीय जल संरक्षण समिति की बैठक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । जल ग्रहण एवं भू संरक्षण विभाग राजस्थान सरकार के निर्देशों की पालना में पंचायत समिति मंडावा की मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तृतीय चरण में डीपीआर अनुमोदन को लेकर ब्लॉक स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन समिति अध्यक्ष व उपखंड अधिकारी मंडावा मुनेश कुमारी की अध्यक्षता में पंचायत समिति सभागार में आयोजित की गई। बैठक में चयनित ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी, संबंधित लाइन डिपार्टमेंट के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी तथा सहायक अभियंता प्रवीण मोटसरा, विकास अधिकारी सीताराम, सहायक अभियंता अमित चौधरी उपस्थित रहे, ग्राम पंचायत द्वारा तैयार की गई डीपीआर का बैठक द्वारा अनुमोदन किया गया, साथ ही विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम विकास अधिकारियों एवं कनिष्क सहायकों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन भी किया गया। जिसमें पंचायत समिति क्षेत्र में चल रहे विभिन्न योजनाओं के विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई, विकास अधिकारी ने समय पर कार्य निष्पादन करने तथा लक्ष्य के अनुरूप समस्त योजनाओं में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किया।

नगरपालिका बोर्ड मंडावा का कार्यकाल समय हुआ पूरा, विदाई समारोह आयोजित

5 वर्ष तक शांतिपूर्ण सदन चलाने के लिए पालिकाध्यक्ष सोनी ने जताया सभी का आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । नगरपालिका मंडावा परिसर में नगरपालिका अध्यक्ष नरेश कुमार सोनी की अध्यक्षता ओर पूर्व पालिकाध्यक्ष सजन मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में नगरपालिका बोर्ड का विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष नरेश कुमार सोनी ने सभी पार्षदों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग से 5 वर्ष तक शांतिपूर्ण सदन चलाने के लिए मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि आगे भी मंडावा नगरपालिका में बनने वाला बोर्ड शांतिपूर्ण तरीके से चलें जिससे शहर का विकास हो। नरेश कुमार सोनी ने अपने 5 वर्ष के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में मंडावा में खेल स्टेडियम, सीवरेज लाइन, पानी की नई लाइन बिछाई गई है जिसके चलते आने वाले समय में मंडावा में पानी की उपलब्धता बनी रहेगी। शहर के सौंदर्य करण कर पार्क बनाए गए, बच्चों के लिए पार्क में झुलें डलवाएं साथ ही मुख्य रास्तों पर बिजली व्यवस्था की गई। मंडावा की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस विश्वास पर आपने मुझे मंडावा का विकास करने के लिए अपने मुझ पर जो विश्वास जताया मैंने पुरी कोशिश कर आपके विश्वास

को कायम रखा आगे भी मुझे मौका मिला तो मैं पुरी इमानदारी से मंडावा के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जायेगी। इस मौके पर सज्जन मिश्रा, आमीन छोटू मोम मुबारिक काजी,? नंदकिशोर यादव ,शशिकांत सैनी, अब्बास खान, राजेश रंजीरोत, कृष्ण चावला, बालकिशन शर्मा, राजकुमार पराशर, सुनील जोशी, प्रदीप जोशी ,सगीर धोबी, पवन चेजारा, उस्मान खान, संदीप राठौड़, पीताम्बर मिश्रा, सुशील शर्मा ,रविकांत कालोया, श्याम सुंदर मिश्रा, रुस्तम खान, राजकुमार जोशी, सुनील जोशी, ललित चेजारा, विनोद पराशर, रामावतार चावला, कमल हलवाई, रविकांत भीमसरिया, दीपक शर्मा, इदरीस तंवर, मधुसूदन स्वामी, प्रियांश नाटाणी, योगेश सैन ,विष्णु शर्मा, जगदीश छापोला, चिरंजीलाल सैनी, प्रदीप सोनी, दिनेश कालोया सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुरजना गांव में बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड के सीएसआर के तहत किसान मेले का आयोजन

आधुनिक कृषि तकनीकों एवं सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चित्तौड़गढ़।

चित्तौड़गढ़ जिले के ग्राम सुरजना में बुधवार को बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड, यूनिट चंदेरिया बिरला सीमेंट वर्क्स द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत किसान मेले का सफल आयोजन किया गया। मेले का उद्देश्य किसानों को कृषि एवं पशुपालन से संबंधित नवीन तकनीकों, सरकारी योजनाओं तथा आधुनिक संसाधनों की जानकारी उपलब्ध कराना रहा। किसान मेले में कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) सहित विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा कुल 14 स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों पर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं नवीन कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में 400 से अधिक महिला एवं पुरुष किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले के दौरान विभिन्न बीज कंपनियों, उर्वरक कंपनियों एवं माइक्रो इरिगेशन कंपनियों द्वारा अपने उत्पादों और नवीन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इससे किसानों को उन्नत बीजों के उपयोग, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा जल

संरक्षण आधारित सिंचाई प्रणालियों की उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉल पर ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन एवं विपणन किया गया। यह पहल ग्रामीण आजीविका संवर्धन और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। किसान मेले में उपस्थित विशेषज्ञों द्वारा किसानों की समस्याओं का समाधान भी किया गया। बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता के साथ यह किसान मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड की माइंस टीम एवं पर्यावरण टीम की प्रभावी एवं समन्वित सहभागिता रही। इस अवसर पर बिरला सीमेंट वर्क्स के इकाई प्रमुख श्री दीपक जसूजा ने कहा कि 'बिरला कॉरपोरेशन सतत विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम आसपास के किसानों को एक सशक्त एवं उपयोगी मंच प्रदान करने का प्रयास करते हैं, जिससे वे आधुनिक तकनीकों, संसाधनों एवं नवाचारों से जुड़कर अपनी आय और उत्पादकता में वृद्धि कर सकें।

फतेहाबाद में यातायात व्यवस्था को लेकर सख्त समीक्षा बैठक, अनुशासन और संवेदनशीलता पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित, सुगम व संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से पुलिस लाइन स्थित एनजीओ मैस मीटिंग हॉल में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने की। बैठक में डीएसपी जगदीश, यातायात प्रभारी उपनिरीक्षक जय सिंह, रतिया जोन ट्रैफिक इंचार्ज उपनिरीक्षक भीम सिंह, टोहाना जोन इंचार्ज निरीक्षक अजमेर, प्रवाचक सहायक उपनिरीक्षक संदीप कुमार सहित जिलेभर के ट्रैफिक पुलिसकर्मी उपस्थित रहें। बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा, चालान प्रक्रिया में पारदर्शिता, ओवरलोडिंग, गलत पार्किंग, अवैध स्टंटबाजी तथा हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

दुर्घटनाओं में त्वरित राहत सर्वोच्च प्राथमिकता

एसपी ने निर्देश दिए कि किसी भी सड़क दुर्घटना या आपात स्थिति में ट्रैफिक पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराए और अस्पताल पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाए। प्रत्येक सेकेंड की अहमियत को समझते हुए कार्य करने पर जोर दिया गया।

बैठक के समापन पर एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि यातायात पुलिस की भूमिका केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि सहयोगात्मक और संवेदनशील भी है। बेहतर यातायात व्यवस्था पुलिस और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है, ।

मुख्य निर्देश

सभी ट्रैफिक कर्मी पूर्ण वर्दी में अनुशासित ढंग से ड्यूटी करें।
एम्बुलेंस के रास्ते में बाधा बनने वालों के तुरंत चालान किए जाएं।
दिव्यांगजनों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा व सहायता सुनिश्चित की जाए।
सीसीटीवी आधारित मॉनिटरिंग और चालान प्रक्रिया को और सुदृढ़ किया जाए।
हेलमेट, सीट बेल्ट और मोबाइल फोन के दुरुपयोग को लेकर जनजागरूकता अभियान तेज किए जाएं।

आपातकालीन वाहनों को रास्ता न देने वालों पर सख्ती

एसपी सिद्धांत जैन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन वाहनों को रास्ता न देने वालों के खिलाफ बिना किसी ढिलाई के सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस को रास्ता न देना सीधे मानव जीवन से खिलवाड़ है, ऐसे मामलों में भारी जुर्माना और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की सहायता प्राथमिकता

बैठक में मानवीय दृष्टिकोण पर विशेष बल देते हुए निर्देश दिए गए कि रेड लाइट चौराहों और व्यस्त मार्गों पर तैनात पुलिस कर्मचारी दिव्यांगजनों, बुजुर्गों और जरूरतमंद नागरिकों को सड़क पार कराने में सक्रिय सहयोग करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यातायात पुलिस की छवि जनता के प्रति संवेदनशील और सहयोगात्मक होनी चाहिए।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त अभियान लगा अब रंग लाने

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । विश्व हिन्दू परिषद की ओर से शुरू किया गया सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त नवलगढ़ अभियान अब रंग लाने लगा है। गोपीनाथ मंदिर व गोपीनाथ मिष्ठान भंडार वाले अरविंद रूंथला की सुपुत्री मनीषा का गुरुवार को विवाह हुआ। विवाह से पूर्व विश्व हिन्दू परिषद की प्रखण्ड टोली ने अरविंद से मिलकर विवाह समारोह में पर्यावरण संरक्षण हेतु सिंगल यूज प्लास्टिक के डिस्पोजेबल का प्रयोग ना करके कागज के डिस्पोजेबल प्रयोग करने का आग्रह किया। इस पर रूंथला परिवार ने पूर्णतः सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त विवाह का आयोजन करके समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके लिए विश्व हिन्दू परिषद की प्रखण्ड टोली ने रूंथला परिवार को 'पर्यावरण योद्धा' के रूप में आकर्षक प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विश्व हिन्दू परिषद के प्रखण्ड अध्यक्ष राम मोहन सेकसरिया ने

बताया कि नवलगढ़ को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त करने हेतु विभिन्न चरणों पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें सब्जी आदि लाने में प्लास्टिक थैलियों का उपयोग ना करना, खराब थैलियों को बाहर ना फेंककर बोतल में भरना सहित विभिन्न उपाय सम्मिलित हैं। इस अवसर पर प्रखण्ड अध्यक्ष राम मोहन सेकसरिया, प्रखण्ड उपाध्यक्ष गोवर्धनसिंह राजपुरोहित, विश्वनाथ केरूवाले, महावीर रूंथला, कृष्णकांत रूंथला, कृष्णगोपाल जोशी, एडवोकेट विप्लव पंडित, सुनिल सांभरा, गौतम खण्डेलवाल, संजय रूंथला, मनोज पाराशर, कमल कांकरिया, विक्की बगड़िया, सुधीर शर्मा, शशिकांत कौशिक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौलपुरा में निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लाखेरी।

विष्णु प्रसाद बैरवा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दौलतपुरा में आज विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा प्रदान करना तथा शिक्षा के प्रति उनकी निरंतरता और उत्साह को बढ़ाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती कृष्णा कुमारी गुप्ता ने की। कक्षा अध्यापक दौलत राम मीना की उपस्थिति में कुल 9 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें

वितरित की गईं। लाभान्वित छात्राओं में भूरी माली, चित्रांशी प्रजापत, गोलमा मीना, हेमलता मीना, खुश गुर्जर, कोमल मीना, लाखंती मीना, शानू जांगिड़ एवं शिवानी मीना। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के सदस्य – पवन कुमार सालोदिया, सीताराम गुर्जर, महेश मीना, पप्पू लाल मीना, गोपाल महावर, उमा शर्मा, यादवेन्दु शर्मा, रामस्वरूप मीना, टिंकू मीना, शीला मंगल एवं सुमित्रा मीना उपस्थित रहे और छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं। प्रधानाचार्या कृष्णा कुमारी गुप्ता ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि 'सरकार द्वारा दी जा रही निःशुल्क साइकिल योजना छात्राओं की शिक्षा यात्रा को आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नियमित विद्यालय उपस्थिति और निरंतर अध्ययन से ही विद्यार्थी अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।' कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से किया गया तथा छात्राओं और अभिभावकों में विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम की सूचना अमर सिंह बैरवा, अध्यापक द्वारा प्रदान की गई।

चिड़ावा के डॉ. मोनदीप धनखड़ ने पीजीआई चंडीगढ़ से एडिक्शन साइकियाट्री (नशामुक्ति)में डीएम पूर्ण किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चौधरी कॉलोनी निवासी डॉ. मोनदीप धनखड़ ने पीजीआई चंडीगढ़ (पंजाब) से एडिक्शन साइकियाट्री में डीएम पूर्ण किया है। चिड़ावा नवीन मार्बल्स-नवीन बिल्डमार्ट प्रा ली के डायरेक्टर और हार्डवेयर एंड इलेक्ट्रिकल्स एसोसिएशन चिड़ावा के अध्यक्ष महेंद्र धनखड़ के पुत्र डॉ. मोनदीप ने जयपुर से एमबीबीएस एवं दिल्ली से पीजी करने के बाद पीजीआई चंडीगढ़ से सुपर स्पेशलिस्ट की डिग्री हासिल की है। जिसमें उन्होंने कई तरह के जटिल मामलों को मैनेज किया। इसके अलावा नई दवाओं की जटिलताओं के बारे में जानकारी हासिल की। वहीं मानसिक और नशे की बीमारियों के इलाज में न्यूरोमॉड्यूलेशन जैसी एडवांस्ड तकनीकें सीखीं है। इस दौरान कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेकर पेपर पेश किए।डॉ धनखड़ की इस अहम डिग्री का प्राप्त कर लेना चिड़ावा व आसपास के क्षेत्र में युवा पीढ़ी का अनेकों प्रकार की नशे तरफ़ बढ़ रही लत का और आज की इस भागम भाग तनाव की जिंदगी में मानसिक बीमारी से जूझ रहे लोगों की समस्या को दूर करने में काफ़ी मददगार साबित होगे,धनखड़ का अभी डीएम की पढ़ाई के बाद दिल्ली में अभ्यास करने का विचार है मोनदीप की इस उपलब्धि पर दादा चो.रामजीलाल धनखड़ के समस्त परिवारगण , दोस्तों और रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है।

मातृशक्ति की निकलेगी शौर्य वाहन रैली नवलगढ़ में पहली बार दुपहिया वाहनों पर भगवा साफे में होगी नारीशक्ति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । सर्व हिंदू समाज की ओर से 21 फरवरी को विराट व भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की जोर शोर से तैयारियां चल रही है। इस संबंध में आयोजन समिति व कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रम के स्वरूप व तैयारियों को

लेकर विस्तार से चर्चा की गई और जिम्मेदारियां सौंपी गई। कार्यक्रम के संयोजक रामकुमार सिंह राठौड़ ने बताया कि नवलगढ़ में पहली बार 20 फरवरी को भगवा साफे में मातृशक्ति की शौर्य वाहन रैली निकलेगी। शौर्य वाहन रैली 20 फरवरी को सायं 4 बजे घेर का मंदिर से प्रारंभ होकर रामदेव मंदिर पहुंचेगी। इससे पूर्व 18 फरवरी को सायं 4 बजे घेर का मंदिर से विशाल पराक्रम वाहन रैली निकाली जाएगी। 21 फरवरी को दोपहर 2 बजे गणेश मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी जो रामदेव जी मंदिर के सामने विराट हिन्दू सम्मेलन के आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन सम्राट प्रकाश माली अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस अवसर पर विभिन्न लोगों का सम्मान भी किया जाएगा। बैठक में जिला प्रचारक भगतसिंह, खण्ड प्रचारक अभिषेक कुमार, कार्यक्रम संयोजक रामकुमार सिंह राठौड़, सह संयोजक राम मोहन सेकसरिया, नगर कार्यवाह कमल किशोर पंवार भैरूसिंह राठौड़, विश्वनाथ जोशी, गोरधन सिंह मारवाड़, महेश मिश्रा, मुरली मनोहर चोबदार, यश मिश्रा, प्रवीण शर्मा, केतन शर्मा, पवन शर्मा, डॉ गिरधारी लाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शहीदों की स्मृतियां पीढ़ियों को देशभक्ति का संदेश देती रहेंगी– डॉ. राजकुमार शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.कैरू/नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । ग्राम पंचायत में अमर शहीद तनसुखराम लुणायच की मूर्ति स्थापना की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजकुमार शर्मा (पूर्व चिकित्सा मंत्री) रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष देवी (प्रशासक, कैरू) ने की तथा विशिष्ट अतिथि संजू देवी (वार्ड पंच) एवं कैप्टन रामलाल साखनिया व सूबेदार मामचंद कोलसिया रहें। मुख्य अतिथि डॉ. राजकुमार शर्मा ने शहीद की वीरांगना सोनी देवी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया, अपने संबोधन में उन्होंने कहा 'शहीद तनसुखराम लुणायच जैसे वीर सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है, उन्होंने 23 नवम्बर 1965 को राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर किए। ऐसे शहीदों की स्मृतियां आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति, त्याग और कर्तव्य का संदेश देती रहेंगी' उन्होंने युवाओं से शहीदों के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान शहीद तनसुखराम लुणायच की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन अमर सिंह लुणायच एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर भगीरथ लुणायच, सुरेन्द्र लुणायच, प्रकाश लुणायच, सुरेश लुणायच, बलबीर महला, महेश लुणायच, उपेंद्र शर्मा, हरिसिंह रायल, महेश शर्मा, विजय प्रकाश, रामचंद्र डांगी, गुगनराम कानसुजिया,

ओमप्रकाश कानसुजिया (पूर्व सरपंच) रवि कानसुजिया, हरफूल मील, दयाराम भास्कर, राजेंद्र भास्कर, मान सिंह केरू, सुरेंद्र, श्रवण, बलवंत, महेश खेदड़, रामोतार गढ़वाल, सुधीर, विक्रम दीपक, राजेंद्र, राकेश, प्रताप लुणायच सहित गांव कैरू के अनेक प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कॉलोनाइजर को कथित तौर पर तंत्र विद्या की आढ़ में फंसाकर किया ब्लैक मेल

शिकायत पर फतेहाबाद में तैनात महिला इंस्पेक्टर निलंबित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार/फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । फतेहाबाद पुलिस की एक महिला इंस्पेक्टर को एक कॉलोनाइजर को तंत्र विद्या के जरिए फंसाकर ब्लैकमेल करने के मामले में सस्पेंड कर दिया गया है। आरोप है कि महिला इंस्पेक्टर ने एफआईआर रद्द कराने के बदले व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बनाए और फंसाने का डर दिखाकर एक लाख रुपए मंथली मांगने लगी। जींद की रहने वाली एक महिला ने डीजीपी को पत्र लिखकर इंस्पेक्टर रचना देवी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और कोर्ट में चालान पेश करने की मांग की थी। शिकायत के आधार पर ही रचना देवी के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। हिसार के आजाद नगर थाने में 9 जून 2025 को एक एफआईआर दर्ज हुई जिसमें एक महिला ने बताया कि उसके पति कॉलोनाइजर और पूर्व जिला पार्षद सदस्य हैं। उनके खिलाफ हिसार में एक मामला दर्ज हुआ था। उस मामले की जांच के दौरान तत्कालीन इंस्पेक्टर रचना ने एफआईआर खारिज करने के बदले उनके पति के साथ जबरन संबंध बनाए और रेप केस में फंसाने की धमकी देकर लंबे समय तक आर्थिक लूटपाट की। तत्कालीन डीजीपी शत्रुजीत कपूर के आदेश पर महिला को सस्पेंड कर दिया गया था। कुछ समय बाद वह फिर बहाल हो गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि महिला इंस्पेक्टर पद का दुरुपयोग कर जांच को प्रभावित कर रही है और गवाहों को धमका रही है। डिजिटल सबूत देने बावजूद अभी तक पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश नहीं किया है। महिला की शिकायत मिलने पर डीजीपी के आदेश पर पुलिस ने इंस्पेक्टर रचना को एक बार फिर निलंबित कर पुलिस लाईन फतेहाबाद में भेज दिया है। बताया गया है कि महिला इंस्पेक्टर भी विवाहित है लेकिन उसका विवाहिक जीवन सही नही चल रहा।

चिटफंड केस में प्रशासन की कार्रवाई, एक माह में दावे जमा करने के निर्देश

चिटफंड व मासिक लॉटरी के जमाकर्ताओं से दावे आमंत्रित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । चिटफंड एवं मासिक लॉटरी के माध्यम से अवैध रूप से धन संग्रह किए जाने के एक मामले में प्रशासन ने जमाकर्ताओं और सुरक्षित लेनदारों से उनके दावे आमंत्रित किए हैं। यह कार्रवाई करमबीर पुनिया चिटफंड एवं मासिक लॉटरी, टोहाना से संबंधित की गई है। सक्षम प्राधिकारी सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी-सह-उप मंडल अधिकारी (ना.), टोहाना आकाश शर्मा ने बताया कि इस मामले में करमबीर पुत्र रिसाल सिंह पुत्र नन्नू राम, जयदीप पुत्र करमबीर पुत्र रिसाल सिंह, सुरेन्द्र कुमार पुत्र करमबीर पुत्र रिसाल सिंह तथा कृष्ण कुमार पुत्र रिसाल सिंह पुत्र नन्नू राम, निवासी वार्ड नंबर 16, रतिया रोड, टोहाना, जिला फतेहाबाद, शामिल हैं। हरियाणा जमाकर्ताओं के हितों के संरक्षण अधिनियम, 2013 की धारा 7 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सक्षम प्राधिकारी सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी-सह-उप मंडल अधिकारी (ना.), टोहाना आकाश शर्मा ने संबंधित वित्तीय प्रतिष्ठान के सभी जमाकर्ताओं एवं सुरक्षित लेनदारों से उनकी जमा राशि एवं बकाया की वसूली के लिए दावे प्रस्तुत करने को कहा है।? सक्षम प्राधिकारी ने बताया कि जिन व्यक्तियों का उक्त चिटफंड एवं मासिक लॉटरी के विरुद्ध कोई दावा है, वे इस सूचना की तिथि से एक माह के भीतर अपने दावे से संबंधित प्रमाणों सहित उप मंडल अधिकारी (ना.), टोहाना कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में दावा प्रस्तुत न किए जाने की स्थिति में संबंधित दावा अधिनियम के अंतर्गत विचार योग्य नहीं होगा। इसके अतिरिक्त, यदि किसी व्यक्ति को करमबीर पुनिया चिटफंड एवं मासिक लॉटरी, टोहाना की किसी भी प्रकार की चल या अचल संपत्ति की जानकारी हो, तो वह प्रशासन को सूचित कर सकता है, ताकि जमाकर्ताओं की राशि की वसूली हेतु उक्त संपत्तियों को कुर्क किया जा सके।

सुरक्षित लेनदारों के लिए विशेष निर्देश

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक सुरक्षित लेनदार को एक माह के भीतर अपना दावा विवरण एवं धारित सुरक्षा का मूल्यांकन प्रस्तुत करना अनिवार्य है। निर्धारित समय सीमा में मूल्यांकन प्रस्तुत न करने की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया मूल्यांकन लेनदार पर बाध्यकारी होगा।

वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन के 'अस्मिता' मंच पर लेखिका संध्या सिंह सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लखनऊ।

सेना परिवारों की महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए समर्पित संस्था आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित 'अस्मिता' (अर्थात प्रेरणादायक कथाएँ) पहल के अंतर्गत सेना परिसर, मध्य कमान, लखनऊ में गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर लेखिका संध्या सिंह (पत्नी: हवलदार धर्मेंद्र बहादुर सिंह) को उनकी स्वरचित पुस्तक 'मेरे आराध्य' तथा उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उनकी पुस्तक उनके सैनिक पिता के संस्मरणों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ जीवंत करती है। इसके अतिरिक्त उनके लेख और कविताएँ अनेक साझा संकलनों, पत्र-पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित हो चुकी हैं। यह सम्मान समारोह जनरल अधिकारी कमांडिंग-इन-चीफ महोदया की अध्यक्षता में, कमांडर महोदया एवं कमांडिंग अधिकारी महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि संध्या सिंह स्वयं रेजिमेंट परिवार से संबंधित हैं। उनकी रचनाओं का मुख्य विषय देशभक्ति, सैनिक परिवारों का जीवन, उनके संघर्ष, महिला सशक्तिकरण तथा नारी शक्ति रहा है, जिन्हें वे पूर्ण बेबाकी और संवेदनशीलता के साथ अभिव्यक्त करती हैं। विगत वर्ष सेना अस्पताल पर लिखे गए उनके प्रभावशाली लेख, जो स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ, के लिए उन्हें शिशु रोग विभाग के अध्यक्ष कर्नल आशुतोष कुमार द्वारा भी सम्मानित किया गया था।अब तक उन्हें अनुराधा

प्रकाशन, दिल्ली द्वारा 'श्रेष्ठ महिला साहित्यकार सम्मान', वैदिक प्रकाशन द्वारा 'साहित्य रक्षक' एवं 'साहित्य पथिक' सहित अनेक सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। उनके पचास से अधिक साझा संकलन प्रकाशित हो चुके हैं तथा विभिन्न काव्य गोष्ठियों में उनकी सहभागिता सराहनीय रही है। 'ऑपरेशन सिन्दूर' पर लिखी कविता के लिए उन्हें महिला मानवाधिकार आयोग की ओर से 'देश का गौरव' सम्मान भी प्राप्त हुआ है। 'अस्मिता' पहल, जो 14 अक्टूबर 2022 से प्रारंभ एक प्रेरणादायक अभियान है, सेना की पत्नियों, वीर नारियों एवं महिला पूर्व सैनिकों के साहस, दृढ़ता और उपलब्धियों का उत्सव मनाने का एक सशक्त मंच है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर संध्या सिंह को हार्दिक बधाई एवं उनके उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ।

शेखावाटी की माटी ने देश को दिए सर्वाधिक सैनिक, सेठ और संत-प्रांत प्रचारक बाबूलाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

समर्थ बस्ती स्थित बणी के बालाजी धाम में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन की शुरुआत मातृशक्ति द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा से हुई। बड़ी संख्या में महिलाओं ने मंदिर परिसर से कलश यात्रा निकालकर सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। पारंपरिक वेशभूषा, जयघोष और अनुशासित सहभागिता के साथ निकली इस यात्रा ने पूरे क्षेत्र को श्रद्धा, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता के रंग में रंग दिया। पूरे परिसर में राष्ट्रचेतना, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण दिखाई दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर प्रांत प्रचारक बाबूलाल थे । जिनके ओजस्वी उद्बोधन ने उपस्थित जनसमूह में राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यबोध का संचार किया। उन्होंने शेखावाटी की वीर एवं आध्यात्मिक परंपरा का स्मरण करते हुए कहा कि इस पावन भूमि ने देश को सर्वाधिक सैनिक, उद्यमी सेठ और संत

दिए हैं। उन्होंने समाज को आत्ममंथन का संदेश देते हुए कहा कि केवल बाहरी प्रदर्शन से राष्ट्र सशक्त नहीं बनता, बल्कि वैचारिक स्पष्टता और चरित्र की दृढ़ता ही उसकी वास्तविक शक्ति होती है।उन्होंने 'प्रोडक्ट और पैकेजिंग' का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की पैकेजिंग यानी बाहरी दिखावे से कहीं अधिक उसका प्रोडक्ट–अर्थात नागरिक चरित्र, जीवन मूल्य और राष्ट्रीय निष्ठा–मजबूत होना चाहिए। कथनी और करनी की एकरूपता को उन्होंने विकसित भारत की बुनियादी शर्त बताया।विकसित भारत की अवधारणा पर बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सम्मेलन किसी जाति या पंथ विशेष का नहीं, बल्कि हर उस हिंदू का है जो राष्ट्र निर्माण में विश्वास रखता है। नागरिक कर्तव्यनिष्ठा, स्वदेशी भावना और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय ही वास्तव में विकसित भारत का सशक्त रोडमैप हैं।उन्होंने विश्वगुरु भारत की संकल्पना पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि जब हिंदू समाज संगठित होकर अपनी जड़ों, अपनी संस्कृति और स्वदेशी मूल्यों की ओर लौटेगा, तभी भारत माता पुनः विश्व गुरु के सिंहासन पर प्रतिष्ठित होंगी।पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का अंग बनाने पर बल देते हुए उन्होंने प्लास्टिक-मुक्त पृथ्वी का संकल्प भी दिलाया।सम्मेलन के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट नागरिकों का सम्मान किया गया। आयोजकों द्वारा अतिथियों के कर-कमलों से समाजसेवियों एवं प्रबुद्धजनों को स्मृति-चिह्न भेंट कर उनकी सेवाओं का अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम में रोरु बड़ी धाम के संत कमल नाथ महाराज का सानिध्य भी प्राप्त हुआ। उन्होंने भारतीय विज्ञान, तिथि- प्रणाली और पारंपरिक कालगणना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से बचने तथा भारतीय पद्धति से पर्व-उत्सव मनाने का संदेश दिया। महिला वक्ता डॉ. प्रियंका अमन मिश्रा एवं भजन गायिका किरण बाईसा की प्रस्तुतियों ने मातृशक्ति को विशेष रूप से प्रेरित किया।स्कूली बच्चों द्वारा लगाई गई पोस्टर प्रदर्शनी तथा पारंपरिक सांस्कृतिक वेशभूषा की झांकियां कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहीं। सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ. भागचंद सैनी ने की।प्रचार प्रमुख डॉ. मुकेश शर्मा ने बताया कि प्रभावी जनसंपर्क और सशक्त प्रचार रणनीति के परिणामस्वरूप सम्मेलन को व्यापक जनभागीदारी और सामाजिक समर्थन प्राप्त हुआ।आयोजन को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष आनंद कुमार सैनी, सचिव मुकेश नायक, संगीता जांगीड, संयुक्त सचिव मनोहर लाल, अरुण, सुरेश सैनी, जितेंद्र, मनीष शर्मा, नरेन्द्र इंदौरिया, उपाध्यक्ष राहुल सैनी, रवि नायक, सहित पूरी आयोजन टीम एवं महिला संयोजिका संतोष जांगिड़, सुमन सैनी ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन पर सभी स्थानीय नागरिकों को प्रसाद वितरित किया गया।

मंगल पाठ एवं गणेश मूर्ति स्थापना आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

वैदिक ज्योतिष व भारतीय वास्तु शास्त्र के पंडित डॉ. श्रीकृष्ण चंद्र शास्त्री के सानिध्य में दो दिवसीय मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन शुरू हुआ। दीपेश शर्मा एवं प्रिया शर्मा ने बताया कि मुख्य यजमान शंकर लाल शर्मा एवं मंजू शर्मा के सानिध्य में गंगा विहार कॉलोनी स्थित सत्यम यूटोपिया में पितर जी एवं बालाजी महाराज की असीम अनुकंपा से शुक्रवार को आवाहित देवताओं की पूजा अर्चना,से वास्तु शांति यज्ञ हवन आदि कार्यक्रम श्री भगवान दास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार के प्राध्यापक पं डॉक्टर श्री कृष्ण शास्त्री के आचार्यत्व में पांच विद्वान पंडितों के द्वारा मांगलिक धार्मिक कार्यक्रम प्रारंभ हुए। 7 फरवरी शनिवार को प्रातः 8:30 बजे नगर भ्रमण एवं गणेश मूर्ति स्थापना, त्रीसूत्री बंधन, पूर्णाहुति, कन्या पूजन, प्रसाद वितरण, दोपहर 2:00 बजे मंगल पाठ आदि कार्यक्रम होंगे। इस दौरान शंकर लाल शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, रमेश चंद शर्मा, करण शास्त्री , दिनेश कुमार शर्मा, दीपेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

पेंशनर्स परिवेदना निवारण शिविर 12 मार्च को कोष कार्यालय सीकर में आयोजित होगा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

निदेशालय पेंशन पेंशनर्स कल्याण विभाग जयपुर के निर्देशानुसार पेंशनर्स के परिवेदना निवारण के लिए सीकर स्थित जिला कोष कार्यालय में 12 मार्च को शिविर आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए लक्ष्मणगढ़ उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी ने बताया कि पेंशनर्स की अपनी परिवेदनाओं /शिकायतों के समाधान के लिए संभाग स्तर पर क्षेत्रीय पेंशनर्स कार्यालय में संपर्क करना पड़ता है। पेंशनर्स की मुख्य परिवेदनाएं जन्म तिथि निर्धारण,नाम संशोधन, पेंशन संशोधन, बकाया एरियर का भुगतान आदि से संबंधित होती है जिसके लिए कोष कार्यालय सीकर में शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने पेंशनर्स से राज्य सरकार के पेंशनर्स शिविर में उपस्थित होकर अपनी अपनी परिवेदनाओं/शिकायतों का समाधान करवा सकते हैं।

मण्डावा क्षेत्र में आधार नामांकन शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एंव संचार विभाग द्वारा नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में आधार नामांकन एंव अपडेटशन शिविर का आयोजन किया गया। सूचना प्रौद्योगिकी एंव संचार विभाग मंडावा के प्रोग्रामर सुभाष चन्द्र कल्याण ने बताया कि कैम्पों में 0-17 वर्ष तक के कुल 201 आधार के नए नामांकन एंव अपडेशन का कार्य कर आधार में मोबाईल नं0 एंव ई-मेल आईडी आदि अपडेट किये गये। उक्त कैम्पों का आयोजन विभाग के कार्मिक अभिमन्यु रूँथला, सहायक प्रोग्रामर, सत्य प्रकाश, सूचना सहायक के निर्देशन में किया गया। उन्होनें बताया की आगामी माह में भी शहरी एंव ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों में कैम्पों का आयोजन किया जावेगा।

मिठवास में विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर अक्षत वितरण कर दिया निमंत्रण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । 8 फरवरी को गणेश मंदिर मंडावा में आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन के निमंत्रण को लेकर आज मिठवास ग्राम में अक्षत (पीले चावल) वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान ग्रामवासियों को सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों ने घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया तथा सम्मेलन के उद्देश्य से अवगत कराया। इस अवसर पर दयाचंद मेघवाल, सुरजाराम रेवाड़, राजेश मेघवाल, बनवारी पूनिया, सुरेश ढाका, महिपाल जाट, विद्याधर जाट, राजकुमार सोहु, चुन्नीलाल जाट एवं नरसाराम जाट विशेष रूप से मौजूद रहे। अक्षत वितरण के दौरान सभी ग्रामीणों से बड़ी संख्या में मंडावा पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया गया। साथ ही मातृशक्ति से कलश यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने का आग्रह भी किया गया। ग्रामीणों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखा गया और सम्मेलन के प्रति सकारात्मक माहौल बना।

श्री जानकी वल्लभ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का तीसरे दिन रहा श्रद्धा व भक्ति से सराबोर

शोभायात्रा के साथ आज निकलेंगे भगवान नगर भ्रमण पर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्री जानकी वल्लभ मंदिर में आयोजित चार दिवसीय भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन शुक्रवार को प्रातःकाल से ही दिव्य, मांगलिक एवं वैदिक धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला प्रारंभ हो गई। संपूर्ण मंदिर परिसर सुबह से ही वेद मंत्रों, शंखनाद और भक्तिरस से अनुप्राणित वातावरण में डूबा रहा।

महोत्सव के तृतीय दिवस की शुरुआत मंडल पूजन के साथ हुई, जिसके पश्चात श्री विग्रह भगवान श्रीराम एवं माता जानकी को फलाधिवास, मिष्ठानाधिवास एवं घृताधिवास कराया गया। इसके उपरांत वैदिक विधि-विधान से सम्पन्न वैदिक हवन एवं औषधीय तत्वों से युक्त 101 कलशों द्वारा महा स्नान कराया गया ।जिसने पूरे वातावरण को दिव्यता से भर दिया। अनुष्ठानों के क्रम में श्रद्धापूर्वक आरती संपन्न हुई तथा तत्पश्चात भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया ।जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।सायंकाल एवं रात्रि में भजन संध्या के माध्यम से भजनों की रसगंगा प्रवाहित हुई। भक्तजन देर रात तक भजनों पर झूमते-गाते हुए भगवान को रिझाते रहे, जिससे मंदिर प्रांगण भक्तिरस में सराबोर हो उठा।संपूर्ण कार्यक्रम मंदिर के महंत मधुसूदनाचार्य एवं पंडित विष्णुकांत के पावन सानिध्य में सम्पन्न हुए। इस अवसर पर महाराज श्री ने लक्ष्मणगढ़ को धार्मिक नगरी बताते हुए

समस्त नगरवासियों से विनम्र अपील की कि कल प्रातः 9:15 बजे भगवान की भव्य शोभायात्रा नगर भ्रमण के लिए निकलेगी। दोपहर 12:15 बजे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा। इसके पश्चात भंडारा प्रसादी का आयोजन रहेगा।महाराज श्री ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस ऐतिहासिक एवं दिव्य आयोजन का साक्षी बनें तथा लगभग 30 वर्षों बाद भगवान को अपने मूल स्वरूप में विराजमान होते हुए दिव्य दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करें।यह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव न केवल आस्था और परंपरा का संगम है, बल्कि लक्ष्मणगढ़ की धार्मिक, सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला अलौकिक, दिव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन सिद्ध हो रहा है।

जनकसिंहपुरा स्कूल में साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला, बालिकाओं को महिला हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

(रमेशचंद) । महिला अधिकारिता विभाग कोटपूतली-बहरोड़ द्वारा अनुदानित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, पुलिस थाना नीमराना के तत्वावधान में 6 फरवरी 2026, शुक्रवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जनकसिंहपुरा में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बालिकाओं को साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, पीछा करना (स्टॉकिंग) तथा मोबाइल के दुरुपयोग से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत जानकारी दी गई। विधिक परामर्शदाता काजल ने छात्राओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान लिंक या कॉल से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत शिकायत करने के बारे में जागरूक किया। प्रशिक्षण केंद्र की विधिक परामर्श- दाता काजल ने बालिकाओं को कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों की जानकारी दी। साथ ही आपात स्थिति में

सहायता के लिए 100, 112, 181 और 1930 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला के दौरान सामाजिक परामर्शदाता सुषमा ने भी छात्राओं से संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में विद्यालय की बालिकाएं एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार की कार्यशालाओं का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है, ताकि वे किसी भी प्रकार के साइबर या सामाजिक अपराध का साहसपूर्वक सामना कर सकें।

खलासी ग्राम में विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर जनसंपर्क अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । श्री सम्राट सिद्धि विनायक मंदिर फतेहपुर रोड वार्ड नंबर 2 मंडावा में 8 फरवरी को आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन के संबंध में आज ग्राम खलासी में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर पीले चावल वितरित किए गए तथा सम्मेलन की सूचना व कार्यक्रम विवरण पत्र ग्रामीणों को वितरित किए गए। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों से आग्रह एवं निवेदन किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में भाग लें। साथ ही मातृशक्ति से विशेष रूप से अनुरोध किया गया कि वे कलश यात्रा में सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं। इस जनसंपर्क अभियान में मदन सिंह राठौड़, प्रमोद कुल्हारी, सुरेंद्र सैनी, मोंटी बन्ना, बलदेव बन्ना, उमेश भूकल , सतपाल भूकल, अनिल मेघवाल, ओम प्रकाश मीणा, सोनू बन्ना ,शीतू बन्ना सहित अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीण

उपस्थित रहें।ग्रामीणों में सम्मेलन को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। कई ग्रामीणों ने सम्मेलन में सम्मिलित होने का आश्वासन दिया। आयोजकों ने बताया कि विराट हिंदू सम्मेलन समाज को एकजुट करने, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

नीमराना में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय की स्थापना की मांग तेज, राज्यपाल के नाम भेजा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना नगरपालिका क्षेत्र में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय की स्थापना की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने राज्यपाल के नाम डाक पोस्ट के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया। नीमराना बार संघ के अध्यक्ष एडवोकेट उदयसिंह यादव ने बताया कि नीमराना उपखंड मुख्यालय होने के बावजूद यहां केवल सिविल न्यायालय एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय संचालित हैं, जबकि उपखंड के अंतर्गत 84 गांव आते हैं। ऐसे में अपीलीय प्रकरणों के लिए क्षेत्रवासियों को करीब 60 से 70 किलोमीटर दूर बहरोड़ जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि नीमराना औद्योगिक दृष्टि से देश-विदेश में विशेष पहचान रखता है। यहां नीमराना, घीलोट और डाबड़वास औद्योगिक क्षेत्र स्थापित हैं, जहां जापान, कोरिया सहित कई देशों की औद्योगिक इकाइयां संचालित हो रही हैं। अधिवक्ताओं ने बताया कि नीमराना उपखंड में नीमराना, शाहजहांपुर और मांढन तीन पुलिस थाने आते हैं, जहां प्रतिवर्ष लगभग 2000 एफआईआर दर्ज होती हैं। इसके अलावा क्षेत्र में 22 निजी व सरकारी बैंक शाखाएं, अनेक विद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी शिक्षण संस्थान तथा निजी एवं राजकीय

अस्पताल संचालित हैं। अधिवक्ताओं ने मांग की है कि नीमराना नगरपालिका क्षेत्र में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय तथा अपर जिला एवं सत्र न्यायालय की स्थापना की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को स्थानीय स्तर पर त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सके। धरने के दौरान बार एसोसिएशन अध्यक्ष उदयसिंह यादव, प्रमोद यादव, राधेश्याम यादव, नवीन बाला यादव, वीर सिंह यादव, विजय चौहान, मुकेश यादव, सुनील यादव, जितेंद्र सामरिया, पीतांबर सिंह, सुभाष चंद, शीशराम यादव, अजय पाल चौहान, अरविंद यादव, राजू शर्मा, नफे सिंह यादव, अमित सोनी, पवन यादव, देवेंद्र दोसोदिया, रेखा शर्मा, पवन सिरोहीवाल, राजेश मीणा, नवीन बडसीवाल, भरत, विनोद सिंह चौहान, इंदर सिंह, सुनील मुंशी, प्रवेश यादव, नवीन सिंह चौहान, मुकेश सिरोहिवाल, ममता शर्मा, योगेश टाइपिस्ट, धर्मेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

माधव बस्ती में हुआ भव्य हिंदू सम्मेलन, एकता व समरसता का संदेश दिया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहपुर।

माधव बस्ती का हिंदू सम्मेलन बुधवार को लोकनाथका मोहल्ले में श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य कलश यात्रा से हुई, जिसमें महिलाओं व श्रद्धालुओं ने भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाबूलाल रहे। उन्होंने हिंदू संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभाव को केंद्र में रखकर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को संगठित करना, जाति-पांति के भेदभाव को समाप्त करना और सनातन संस्कृति व मूल्यों का संरक्षण करना समय की आवश्यकता है। बाबूलाल ने अपने संबोधन में प्राचीन चार आश्रम व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि उस व्यवस्था में जीवन के प्रत्येक चरण का स्पष्ट उद्देश्य था और समाज में वर्गभेद नहीं था। उन्होंने कहा कि आज परिवार

व्यवस्था में विघटन देखने को मिल रहा है, विवाह में विलंब, सीमित संतान और बढ़ते तलाक सामाजिक चिंतन का विषय हैं। समाज को इन चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा। उन्होंने आह्वान किया कि सभी को साथ लेकर चलना होगा और घर-घर में सनातनी संस्कारों को पुनर्जीवित करना होगा। परिवार में प्रतिदिन प्रार्थना, बच्चों को परंपराओं से परिचित कराना और सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाना आवश्यक है। कार्यक्रम में फतेहपुर बुद्धगिरी मठ के महंत एवं राजस्थान गौ सेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश गिरी महाराज ने भी संबोधित करते हुए कहा कि समरस हिंदू समाज वर्तमान समय की मांग है। समाज के सभी वर्गों को एकता और समन्वय के भाव से कार्य करना चाहिए। सम्मेलन के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 33 विशिष्ट जनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे और एकता व समरसता के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प पर हमले की कोशिश करने वाले शख्स को उम्रकैद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की कोशिश के मामले में दोषी ठहराए गए रयान राउथ को फेडरल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, सजा बुधवार (स्थानीय समय) को सुनाई गई। यह घटना 15 सितंबर 2024 को हुई थी, जब ट्रम्प राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे। राउथ एके-47 जैसी सोवियत शैली की राइफल और बॉडी आर्मर के साथ ट्रम्प के गोल्फ कोर्स के पास झाड़ी में पास छिपा था। एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने राइफल की नली और आरोपी का चेहरा देखा और गोली चलाई, जिसके बाद राउथ मौके से भाग गया। बाद में उसकी गाड़ी की नंबर प्लेट के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। अदालत ने रयान राउथ को सितंबर 2024 में पांच आरोपों में दोषी ठहराया था। इनमें घटना के समय राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रम्प की हत्या की कोशिश का मामला भी शामिल है। यह फैसला अमेरिकी जिला जज एलीन कैनन ने सुनाया। अदालत की कार्यवाही के दौरान जज कैनन ने कहा कि आरोपी ने रयान का इरादा साफ तौर पर ट्रम्प की हत्या करना था और अपने मंसूबे को अंजाम देने के बेहद करीब पहुंच गया था। उम्रकैद के अलावा राउथ को कई अन्य सजाएं भी दी गईं, जो साथ-साथ चलेंगी। इनमें हिंसक अपराध के दौरान हथियार रखने पर 84 महीने, एक फेडरल अधिकारी पर हमला करने के लिए 240 महीने, सजायाफ्ता अपराधी होने के बावजूद हथियार रखने पर 18 महीने और सीरियल नंबर मिटे हथियार के कब्जे के लिए 60 महीने की सजा शामिल है।

जमात-ए-इस्लामी के बदले तेवर, चुनावी घोषणापत्र में भारत से अच्छे रिश्तों का वादा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में इसी महीने 12 फरवरी को चुनाव हैं। ऐसे में देश के अंदर प्रमुख राजनीतिक दल जमात-ए इस्लामी एक अहम ताकत के रूप में उभरती नजर आ रही है। भारत विरोधी गुट के रूप में पहचान जाने वाले जमात ने अपना बुधवार (04 फरवरी) को घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें उन्होंने भारत के साथ अच्छे रिश्तों पर जोर दिया। बांग्लादेश की प्रमुख इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने चुनावों से पहले 41 सूत्रीय घोषणापत्र जारी किया, जिसमें न्याय और आर्थिक क्षेत्रों में सुधारों के साथ-साथ मंत्रिमंडल में महिलाओं को शामिल करने का वादा किया गया है। जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान ने घोषणापत्र जारी किया, जिसमें पार्टी के सत्ता में आने पर 'राजकब्जा में पर्याप्त संख्या में महिलाओं को शामिल करने' का वादा किया गया।, हालांकि पार्टी ने कोई भी महिला उम्मीदवार को चुनावी मैदान में नहीं उतार है। इस्लामिक कंजर्वेटिव पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने अपने घोषणापत्र में भारत सहित पड़ोसी देशों के साथ रचनात्मक और सहयोगात्मक रिश्ते बनाए रखने का वादा किया है। पार्टी के बयान के अनुसार ये संबंध आपसी सम्मान और निष्पक्षता के आधारित होंगे। घोषणापत्र में दावा किया गया कि भारत, श्रीलंका, भूटान, नेपाल, म्यांमार, मालदीव और थाइलैंड के साथ शांतिपूर्ण, मित्रतापूर्ण और सहयोगी संबंध स्थापित किए जाएंगे। पार्टी ने जोर दिया कि क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि के लिए पड़ोसियों के साथ संवाद और सहयोग को प्राथमिकता दी जाएगी।

ईरानी ड्रोन से रूस की ताकत में इजाफा, यूक्रेन की बढ़ी चिंता

कीव, एजेंसी। यूक्रेन में जमीनी मोर्चे पर लंबी और थकाऊ जंग के बीच रूस अब आसमान में बढ़त बनाने की रणनीति पर तेजी से काम कर रहा है। इस रणनीति की धुरी हैं लंबी दूरी तक मार करने वाले, कम लागत वाले और लगातार उन्नत हो रहे ड्रोन जिनके विकास, डिजाइन और उत्पादन में ईरान की निर्णायक भूमिका सामने आ रही है। यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों के अनुसार ईरानी तकनीकी सहयोग के दम पर रूस जल्द ही प्रतिदिन करीब 1,000 ड्रोन बनाने की क्षमता हासिल कर सकता है। इससे युद्ध का संतुलन और अधिक जटिल होता जा रहा है। अमेरिकी अकादमिक न्यूज प्लेटफॉर्म द कन्वर्सेशन और अल जजीरा की रिपोर्ट्स के अनुसार जनवरी की शुरुआत में यूक्रेन में गिरे एक ड्रोन के मलबे ने संकेत दिया कि रूस युद्ध में एक नए, तेज गति वाले ड्रोन मॉडल को उतार चुका है। यूक्रेनी खुफिया आकलन के मुताबिक रूस भी जल्द इसी स्तर का उत्पादन हासिल कर सकता है, जिसमें ईरान का तकनीकी सहयोग केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। यूक्रेन की मुख्य चिंता रूस द्वारा लंबी दूरी के अटैक ड्रोन के बढ़ते उत्पादन को लेकर है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार फरवरी 2022 में संघर्ष शुरू होने के समय रूस बड़ी संख्या में कामिकाजे ड्रोन बनाने में सक्षम नहीं था। उसकी सैन्य सोच पारंपरिक हथियारों और मिसाइलों पर केंद्रित थी, जबकि ड्रोन को मुख्य रूप से निगरानी, टोही और खुफिया कार्यों तक सीमित माना गया। निर्णायक मोड़ तब आया जब मॉस्को ने समझा कि लंबी दूरी के स्ट्राइक ड्रोन युद्ध की दिशा बदल सकते हैं।

समंदर में 4 घंटे तैरता रहा 13 साल का बच्चा:मां और भाई-बहन की जान बचाई

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में 13 साल के एक बच्चे ऑस्टिन एपलबी ने समुद्र में करीब 4 घंटे तैरकर अपनी मां और दो छोटे भाई-बहनों की जान बचाई। वह परिवार के साथ समुद्र में गया था। अचानक लहरें तेज हो गईं। बोट पलटने से सभी बहते हुए समुद्र में 14 किमी दूर निकल गए थे। द गॉर्जियन के मुताबिक, जोआन एपलबे अपने बच्चों ऑस्टिन, ब्यू और ग्रेस के साथ पर्थ से करीब 200 किलोमीटर दूर क्विंडलप में छुट्टियां मना रही थीं। शुक्रवार दोपहर वे समुद्र के किनारे पैडलबोर्ड के साथ पानी में खेल रहे थे। शुरुआत में सब ठीक था, लेकिन बच्चे थोड़ा दूर चले गए और तभी तेज हवा चलने लगी। हवा के कारण उनके चप्पू गिर गए और वे सभी धीरे-धीरे समुद्र में बहने लगे। हालात बहुत जल्दी खराब हो गए। जोआन को लगा कि अब किसी को मदद लाने के लिए किनारे जाना होगा। उन्होंने अपने 13 साल के बेटे ऑस्टिन को चुना, क्योंकि उन्हें लगा वही सबसे मजबूत है।

तूफान में बोट पलटने से 14किमी दूर बहा परिवार

किनारे पर पहुंचते ही ऑस्टिन ने 2 किमी दौड़ लगाई : ऑस्टिन समुद्र में तैरकर मदद लाने निकल पड़ा। उसने अपनी लाइफ जैकेट भी उतार दी क्योंकि वह मदद नहीं कर रही थी। अगले दो घंटे तक वे डर के बावजूद प्रार्थना करते रहे, गाने गुनगुनाते रहे और अच्छी बातें सोचते रहे। ऑस्टिन ने कहा कि वे अपनी मां, भाई, बहन, दोस्तों और अपनी गर्लफ्रेंड के बारे में सोच रहे थे। जब उनके पैर जमीन से टकराए, तो उन्हें यकीन नहीं हुआ कि वे किनारे पहुंच गए हैं। लेकिन तभी उन्हें याद आया कि उनका परिवार अभी भी समुद्र में हो सकता है। शाम करीब छह बजे वे किनारे पहुंचे और 2 किमी दौड़कर अपनी मां के बैग तक पहुंचे वहां, उसने फोन मिलने पर रेस्क्यू टीम से मदद मांगी। इसके बाद पुलिस ने बड़े स्तर पर तलाश शुरू की। फोन करने के बाद वह थकान से बेहोश हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। उस समय उसे नहीं पता था कि उसकी मां और भाई-बहन जिंदा हैं या नहीं।

मां को लगा की ऑस्टिन नहीं बचा : वहीं दूसरी तरफ ऑस्टिन के परिवार को लगा कि किनारा ज्यादा दूर नहीं है, लेकिन जैसे-जैसे ऑस्टिन आगे बढ़ता गया, मां और बाकी बच्चे और दूर समुद्र में बहते चले गए। कुछ ही देर में वे ऑस्टिन को देख भी नहीं पा रहे थे। अंधेरा हो गया और लहरें तेज होती चली गईं। मां और बच्चे लाइफ जैकेट पहने पैडलबोर्ड को पकड़कर किसी तरह खुद को संभाले हुए थे। जोआन को लगने लगा कि शायद ऑस्टिन समय पर नहीं पहुंच पाएगा। समुद्र में मां और बच्चे अंधेरे, ठंड और ऊंची लहरों के बीच फंसे हुए थे। जोआन ने बताया कि उन्हें लगने लगा था कि ऑस्टिन शायद नहीं बचा और अब कोई मदद नहीं आने वाली है।

रेस्क्यू से पहले बच्चे पानी में गिर गए थे : काफी देर बाद बचाव दल ने परिवार को समुद्र में करीब 14 किलोमीटर दूर ढूंढ लिया। उस समय एक बड़ी लहर में बच्चे पानी में गिर गए थे। जोआन ने ग्रेस की चीख सुनी, लेकिन ब्यू की आवाज नहीं आ रही थी। बाद में बचावकर्मियों ने उसे भी ढूंढ लिया। अस्पताल में उन्होंने अपने पिता को फोन किया और रोते हुए बात की। उन्हें तब तक नहीं पता था कि उनकी मां और भाई-बहन जिंदा हैं या नहीं। जब ऑस्टिन को बताया गया कि उसकी मां और भाई-बहन सुरक्षित मिल गए हैं, तो वहां मौजूद डॉक्टर और पुलिस खुशी से झूम उठे। ऑस्टिन ने कहा कि वह खुद को हीरो नहीं मानता और उसने बस वही किया जो करना जरूरी था। पुलिस ने कहा कि इस 13 साल के बच्चे की हिम्मत और हौसले की वजह से उसकी मां और भाई-बहनों की जान बच सकी।

पुलिस बोली- समुद्र का मिजाज बहुत तेजी से बदलता है : पुलिस अधिकारी जेम्स ब्रैडली ने कहा कि यह घटना बताती है कि समुद्र का मिजाज कितनी जल्दी बदल सकता है। उन्होंने बताया कि मां और दोनों बच्चे लाइफ जैकेट पहने हुए थे, जिसकी वजह से वे जिंदा बच पाए। पुलिस के मुताबिक, सभी को पहले पैरामेडिक्स ने जांच की और फिर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। बाद में परिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अमेरिकी कोर्ट का फैसला, ओरेगन में बिना वारंट अप्रवासी को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे आईसीई एजेंट

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड में एक फेडरल जज ने बुधवार को अहम फैसला सुनाया। उन्होंने कहा, ओरेगन में अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंटों को बिना वारंट के अप्रवासी लोगों को गिरफ्तार करना बंद करना होगा, जब तक कि उनके भागने की संभावना न हो।

कोर्ट ने लगाई रोक : अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज मुस्तफा कसुभाई ने इस मामले में शुरुआती रोक लगा दी है। यह फैसला एक प्रस्तावित क्लास-एक्शन मुकदमे के बाद आया है। यह मुकदमा होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के उस तरीके के खिलाफ था, जिसमें वे अप्रवासी को देखते ही पकड़ लेते थे। आलोचकों ने इसे 'पहले गिरफ्तार करो, बाद में सही ठहराओ' वाली नीति बताया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े पैमाने पर लोगों को देश से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच इमिग्रेशन एजेंट बिना कोर्ट वारंट के निजी घरों में घुस रहे हैं। इन कार्रवाइयों ने देश भर के नागरिक अधिकार समूहों की चिंता बढ़ा दी है।

बिना वारंट के गिरफ्तारी नहीं : पिछले हफ्ते इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के एक्टिंग हेड टॉड लियोन्स ने इस बात पर जोर दिया गया था कि एजेंटों को अपने अधिकारियों से जारी वारंट के बिना गिरफ्तारी नहीं करनी चाहिए, जब तक कि व्यक्ति के भागने का ठोस कारण न हो। इस मामले में जज के सामने सबूत पेश किए गए कि ओरेगन में एजेंटों ने छापों के दौरान बिना वारंट या बिना जांच किए लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक वादी, विक्टर क्रूज गेमज की गवाही भी शामिल है।

विक्टर 56 साल के हैं और 1999 से अमेरिका में रह रहे हैं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि उनके पास काम करने का वैध परमिट था और वीजा की अर्जी भी पेंडिंग थी। इसके बावजूद उन्हें गिरफ्तार किया गया और तीन हफ्ते तक हिरासत केंद्र में रखा गया।

कोर्ट ने एजेंटों की हरकतों को बताया हिंसक और क्रूर : जज कसुभाई ने कहा कि ओरेगन में एजेंटों की हरकतें हिंसक और क्रूर रही हैं। उन्होंने बताया कि सिविल इमिग्रेशन उल्लंघन के लिए लोगों को हिरासत में लेते समय उन पर बंदूकें तानी गईं, जोकि गलत है। साथ ही जज ने चिंता जताई कि प्रशासन इमिग्रेशन छापों में पकड़े गए लोगों को उचित कानूनी प्रक्रिया से वंचित कर रहा है।

रूस गैरकानूनी तरीके से पावर ग्रिड को बना रहा निशाना', यूक्रेन का मॉस्को पर आरोप

कीव, एजेंसी। हाल के दिनों में रूस ने यूक्रेन के उर्जा ठिकानों पर हमले किए हैं। जिसके बाद यूक्रेन ने भी आरोप लगाया है कि रूसी मिसाइलें और ड्रोन गैरकानूनी तरीके से उनके उर्जा ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। यूक्रेन का आरोप है कि उनके ऊर्जा ठिकानों, पावर ग्रिड पर हमले के चलते देश की अब तक की सबसे ठंडी सर्दियों में से एक में लोग अंधेरे और ठंड में रहने को मजबूर हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा, 'सर्दियों के सबसे ठंडे दिनों का फायदा उठाकर लोगों को डराना रूस के लिए कूटनीति से ज्यादा जरूरी है।' वहीं रूस का कहना है कि उसके हमले सैन्य अभियान का एक वैध हिस्सा हैं। तो क्या युद्ध के दौरान ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले की अनुमति है? आइए जानते हैं क्या कहता है सिएरा लियोन के लिए संयुक्त राष्ट्र विशेष न्यायालय के पूर्व मुख्य अभियोजक डेविड क्रेन ने बताया कि युद्ध के दौरान पक्ष कानूनी रूप से पावर ग्रिड को निशाना बना सकते हैं, लेकिन हमला सीधे तौर पर एक वैध सैन्य लक्ष्य को प्रभावित करने वाला होना चाहिए और इसमें ज्यादा नागरिक हताहत नहीं होने चाहिए।

रूस ने कानून के उल्लंघन की बात नकारी : रूसी सेना ने बार-बार कहा है कि उसने एनर्जी सुविधाओं और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया है जो यूक्रेनी सैन्य उद्योग और सशस्त्र बलों को समर्थन करते हैं। साथ ही रूस ने रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने से इनकार किया है। रूस ने कहा, 'हमारी सेना उन ठिकानों पर हमला कर रही है, जो यूक्रेन सरकार के सैन्य परिसरों से जुड़े हैं, ऑपरेशन जारी है।' वहीं कीव का आरोप है कि रूस अंधेरे, ठंडे घरों में रहने को मजबूर आम नागरिकों पर भारी मुश्किलों का बोझ डालकर यूक्रेनियन लोगों का लड़ने का हौसला तोड़ना चाहता है।

अमेरिकी कानून का सामना कर रहे मादुरो की बढ़ी मुश्किलें

वाशिंगटन, एजेंसी। अर्जेंटीना के एक जज ने बुधवार को अमेरिका से वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपने की औपचारिक मांग की है। फिलहाल वह न्यूयॉर्क की एक जेल में बंद हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने एक विशेष ऑपरेशन में पिछले महीने मादुरो को पकड़ा था।

मादुरो पर लगे हैं कई गंभीर आरोप : मामले में अर्जेंटीना के संघीय जज ने एक वारंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस काराकास में मादुरो पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा करवाई। इसमें लोगों को प्रताड़ित करना और जबरन गायब करना शामिल है।

मामलों में नागरिकों को बनाया गया है वादी : इस मामलों में उन वेनेजुएला के नागरिकों को वादी बनाया गया है जिन्होंने सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंटों के हाथों भयानक यातनाएं झेली हैं। यह कानूनी लड़ाई साल 2023 में ब्यूनस आयर्स में मानवाधिकार संगठनों ने शुरू की थी। यहां की अदालतें पहले भी देश के बाहर मानवाधिकार हनन के मामलों की जांच करती रही हैं। तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने मादुरो को सत्ता से हटाया था, जिसके बाद अर्जेंटीना के सरकारी वकीलों ने जज रामोस से इस प्रत्यर्पण अनुरोध को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था।

अमेरिका में इस मामले में चल रहा केस : अर्जेंटीना ने 1997 की प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए यह मांग की है। हालांकि, इसकी संभावना कम है कि ट्रंप प्रशासन इस पर तुरंत अमल करेगा। इसका मुख्य कारण अमेरिका में मादुरो पर चल रहा मुकदमा है। मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स अभी ब्रुकलिन की जेल में हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने 25 वर्षों तक ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में हजारों टन ड्रग भेजने में मदद की।

क्या है राजनीतिक समीकरण : राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली खुद को डोनाल्ड ट्रंप का करीबी सहयोगी मानते हैं और उन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी का स्वागत किया था। मानवाधिकार संगठनों ने इस प्रत्यर्पण अनुरोध को ऐतिहासिक बताया है। 'अर्जेंटीना फोरम फॉर द डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसी' ने कहा कि यह उन पीड़ितों की जीत है जिन्होंने ताकतवर लोगों के खिलाफ बोलने की हिम्मत दिखाई। अब अर्जेंटीना का विदेश मंत्रालय यह आधिकारिक अनुरोध वाशिंगटन डीसी भेजेगा, जहां अमेरिकी कानूनी विभाग इस पर विचार करेगा।

अमेरिका में टैक्सी चलाने को मजबूर पाकिस्तान के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम खान

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी इन दिनों गुजर-बसर करने के लिए अमेरिका में टैक्सी चलाने को मजबूर हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अमेरिका द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सरकार द्वारा उनकी संपत्ति और बैंक खाते जब्त किए जाने के बाद वह अब अमेरिका में ड्राइविंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां ड्राइवर के रूप में काम करते हुए मुझे वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन ईमानदारी से जीविका कमाने पर मुझे गर्व है।

जारी वीडियो में बताया गया है कि कासिम खान सूरी को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन करने के कारण दर्जनों फर्जी मामलों में फंसा दिया गया। उनकी संपत्ति और बैंक खातों की जब्ती कर ली गई। साथ ही पाकिस्तान से जबरन खदेड़ दिया गया।

लोगों के लिए खड़े होने पर कीमत चुकाई : कासिम खान ने कहा कि यह वह कीमत है जो कई लोगों ने केवल इमरान खान के साथ लोकतंत्र, कानून के शासन और पाकिस्तान के लोगों के सम्मान के लिए खड़े होने के कारण चुकाई है। सूरी ने इमरान खान के खिलाफ चल रहे फर्जी अदालती मामलों पर चिंता जताई।

सूरी ने आगे कहा कि मौजूदा पाकिस्तानी सरकार का अन्याय और कुकर्म सबके सामने है। उन्होंने बताया कि सभी पाकिस्तानी इस अन्याय के शिकार हैं। उन्होंने कहा कि देश में लोगों को जबरिया झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है।

सादगी और गरिमामय तरीके से जिया जीवन : पुराने वक्त को याद करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय उन्होंने इस्लामाबाद में कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) में एक महत्वपूर्ण पद संभाला था लेकिन इससे कभी कोई निजी संपत्ति अर्जित नहीं की। उन्होंने कहा मैंने अपना जीवन गरिमा और सादगी से जिया। सूरी ने बताया कि वर्ष 2018 से पहले वह क्वेटा स्थित अपने घर पर इमरान खान और आरिफ अल्वी जैसे वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियों की मेजबानी करने में सक्षम थे।

सूरी ने 15 अगस्त 2018 से 16 अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान की राष्ट्रीय सभा के 19वें उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वह अगस्त 2018 से जनवरी 2023 तक पाकिस्तान की राष्ट्रीय सभा के सदस्य भी रहे थे। उन्होंने 2022 में पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के उप-अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

इमरान खान के बेटे को पाकिस्तान आने ही नहीं दे रही शरीफ सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में बीते 2 साल से भी ज्यादा समय से जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों ने शहबाज शरीफ सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इमरान खान के बेटे कासिम ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी अधिकारी जानबूझकर उनके और उनके भाई के वीजा प्रोसेस में देरी कर रहे हैं ताकि वे पाकिस्तान ना आ पाएं। कासिम के आरोप हैं कि उन्हें अपने पिता से मिलने नहीं दिया जा रहा है। इससे पहले इमरान खान के स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट की खबरें सामने आई थीं।

बता दें कि कासिम और उनके बड़े भाई सुलेमान फिलहाल अपनी मां जेमिमा गोल्डस्मिथ के साथ लंदन में रहते हैं। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, कासिम ने अपनी व्यथा सुनाई। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'मैं और मेरा भाई अपने पिता से मिलने के लिए पाकिस्तान जाने की कोशिश कर रहे हैं। 914 दिनों से उन्हें एकांत कारावास में रखा गया है, जबकि उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। उन्हें सही चिकित्सा देखभाल से भी वंचित किया जा रहा है।

कासिम ने कहा है कि सरकार जानबूझकर उनके वीजा को प्रोसेस नहीं कर रही है। उन्होंने लिखा, 'एक कैदी को इलाज से वंचित करना क्रूरता है। बच्चों को अपने पिता से मिलने के अधिकार से वंचित करना सजा है।' कासिम ने अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की अपील करते हुए लिखा, 'मैं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और सरकारों से अपील करता हूं कि इससे पहले कि बहुत बड़ा नुकसान हो जाएं, आवाज उठाएं और कार्रवाई करें।'

इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की खबरें : डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक बीते दिनों इमरान खान की सेहत बिगड़ने के बाद उन्हें पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया था। इसके बाद उनकी पार्टी क्क्षद्ध ने गुपचुप तरीके से इमरान खान को क्खुरूस् में ट्रांसफर करने की कड़ी निंदा की थी।

पार्टी ने अधिकारियों पर उनके परिवार और पार्टी को सूचित ना करने और उन्हें निजी डॉक्टरों तक पहुंच से वंचित करने का आरोप लगाया। इस बीच नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता महमूद खान अचकजई ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक चिट्ठी लिखकर इमरान खान की मेडिकल जांच की इजाजत देने का भी अनुरोध किया।

अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़े 200 से अधिक अवैध ऑनलाइन फार्मेसी डोमेन जब्त किए

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने ऑनलाइन फार्मेसियों से जुड़े भारत-आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक संगठन (टीसीओ) की 200 वेबसाइट के डोमेन को जब्त कर लिया है। अमेरिका के ड्रग प्रवर्तन प्रशासन (डीईए) ने यह कार्रवाई की। डीईए के अनुसार, यह संगठन अमेरिका में काम कर रहा है और कथित तौर पर कम से कम छह जानलेवा और चार ओवरडोज के मामलों के लिए जिम्मेदार था। 27 जनवरी से शुरू होकर पूरे अमेरिका में डीईए अधिकारियों ने कई ऑपरेशन किए और चार लोगों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही, पांच तत्काल निलंबन आदेश और एक कारण बताओ नोटिस जारी किए। अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन प्रशासन ने कहा कि ये दोनों प्रशासनिक कार्रवाई हैं, जो डीईए रजिस्टर्ड लोगों के खिलाफ सार्वजनिक स्वास्थ्य या सुरक्षा के खतरों से जनता की रक्षा के लिए की जाती हैं। ये कार्रवाई प्रशासन की ओर से 200 से ज्यादा ऑनलाइन फार्मेसियों को बंद करने के अलावा थीं, जिन पर बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के सैकड़ों-हजारों डायवर्टेड फार्मास्यूटिकल्स और नकली गोलियों के ऑर्डर भरने का आरोप था।

नियंत्रित पदार्थ अधिनियम (सीएसए) के तहत, डीईए फार्मेसियों की हिरासत में नियंत्रित पदार्थ की हैंडलिंग, भंडारण और वितरण को विनियमित करता है। सीएसए में यह शर्त है कि फार्मेसियों को केवल वैध प्रिस्क्रिप्शन मिलने पर ही कंट्रोल्ड सब्सटेंस देने की अनुमति है, जो एक व्यक्तिगत प्रैक्टिशनर की ओर से अपने सामान्य पेशेवर अभ्यास के दौरान एक वैध चिकित्सा उद्देश्य के लिए जारी किया गया हो। डीईए के अनुसार, जांच में पाया गया कि इन ऑनलाइन फार्मेसियों के ऑपरेटर और उनके सह-साजिशकर्ता बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के, पूरे अमेरिका में ग्राहकों को अवैध रूप से डायवर्टेड दवाएं बेच रहे थे

और भेज रहे थे, जो सीएसए का उल्लंघन था और मरीजों को सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए डिस्ट्रीब्यूशन के एक बंद सिस्टम में खतरनाक तरीके से घुसपैठ कर रहे थे।

इस जांच के दौरान डीईए ने हजारों ऐसे ग्राहकों की पहचान की, जिन्होंने इन ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से दवाएं खरीदी थीं। इसके बाद डीईए ने इस चल रही जांच के समर्थन में जानकारी मांगने के लिए जनता को 20 हजार से अधिक पत्र भेजे हैं।

ड्रग प्रवर्तन प्रशासन ने एक बयान में कहा कि अवैध ऑनलाइन फार्मेसियां ??अक्सर असली दिखने के लिए अमेरिकी-आधारित वेबसाइट पते और प्रोफेशनल दिखने वाले डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं, जबकि असल में वे ऐसी नहीं होतीं। ये कंपनियां अवैध रूप से काम करती हैं, जानबूझकर अमेरिकी ग्राहकों को यह विश्वास दिलाकर धोखा देती हैं कि वे कानूनी रूप से सुरक्षित, विनियमित दवाएं खरीद रहे हैं।

बयान में आगे कहा गया, 'ऑपरेशन मेल्टडाउन के तहत बंद की गई कई साइटों ने खुद को वैध, अमेरिका-आधारित और एफडीए-अनुमोदित होने का दावा किया था, लेकिन डीईए की जांच में पता चला कि इन साइटों के ऑपरेटर अक्सर ड्रग तस्करों के साथ मिलकर ऑनलाइन ऑर्डर को नकली गोलियों या गलत तरीके से इस्तेमाल की गई दवाओं से पूरा करते थे। ये नकली दवाएं अक्सर फेंटानिल या मेथामफेटामाइन से बनी होती हैं और इन्हें लेने से गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं, जिसमें हानिकारक साइड इफेक्ट, अप्रभावी इलाज और यहां तक ??कि मौत भी शामिल है।'

अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन प्रशासन ने बयान में यह भी कहा कि अपनी ग्लोबल पहुंच का इस्तेमाल करते हुए डीईए भारत सरकार के कानून प्रवर्तन भागीदारों के साथ मिलकर उन खतरनाक आपराधिक संगठनों की पहचान करने, जांच करने और उन्हें खत्म करने के लिए सक्रिय रूप से सहयोग करता है, जो इस तरह के अवैध ड्रग तस्करी ऑपरेशन में शामिल हैं।

फिल्म 'ओ रोमियो' का नया गाना 'इश्क का फीवर' रिलीज

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ओ रोमियो' का नया गाना 'इश्क का फीवर' रिलीज कर दिया है। खास बात यह है कि इस गीत को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है। कुछ दिनों पहले ही अरिजीत ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने की घोषणा की थी, ऐसे में उनका यह नया गीत सुनना फैंस के लिए किसी सरप्राइज गिफ्ट से कम नहीं है। गाने का संगीत विशाल भारद्वाज ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल मशहूर गीतकार गुलजार ने लिखे हैं। 'इश्क का फीवर' की शुरुआत फरीदा जलाल की एक प्रभावी लाइन से होती है, जो आगे चलकर एक खूबसूरत और रोमांटिक मेलोडी में ढल जाती है। गीत में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की कोमल केमिस्ट्री पूरे गाने की भावनाओं को और गहराई देती है। यह ऐसा गीत है जो धीरे-धीरे श्रोताओं के दिल में उतरता जाता है। टी-सीरीज के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध यह गाना वैलेंटाइन वीक के लिए एकदम परफेक्ट माना जा रहा है। अरिजीत सिंह की सुमधुर आवाज और गुलजार के भावपूर्ण बोल इस रोमांटिक समय के लिए एक खास एहसास लेकर आते हैं। रिलीज होते ही गीत को दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म 'ओ रोमियो' में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के साथ अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसे दमदार कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' से प्रेरित है। इसमें शाहिद कपूर माफिया डॉन हुसैन उस्तरा की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि तृप्ति सपना उर्फ सपना दीदी के किरदार में दिखाई देंगी। हाल ही में फिल्म का एक और गाना 'हम तो तेरे ही लिए' रिलीज किया गया था, जिसमें शाहिद और तृप्ति के किरदारों के बीच रोमांस दर्शाया गया था।

रामायण में राजा दशरथ के किरदार में निभाएंगे अरुण गोविल

साल 1987 में टीवी पर प्रसारित रामानंद सागर के फेमस धार्मिक शो रामायण में सबसे ज्यादा प्रशंसा अरुण गोविल को मिली थी। अब अभिनेता अरुण गोविल एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि वह नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म रामायण में राजा दशरथ के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में अरुण गोविल ने बताया कि किसी आईकोनिक किरदार की छवि दर्शकों की यादों में जब गहराई से बस जाती है, तो तुलना होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, जब कोई स्टैंडर्ड सेट होता है, तो तुलना हमेशा होती है। भगवान का रोल निभाने के लिए लुक बहुत जरूरी है। जब लोग आपको देखें, तो उन्हें आप में भगवान दिखें और वे सोचें, भगवान ऐसे हो सकते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि वह फिल्म के लिए पूरी तरह तैयारी के साथ अपना किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर, रावण के रूप में यश, सीता के रूप में साई पल्लवी, भगवान हनुमान के रूप में सनी देओल और लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे शामिल हैं। पहले लुक के सामने आने के बाद से फिल्म की तुलना रामानंद सागर के 1987 के टीवी शो से की जा रही है, और खासकर रणबीर कपूर के भगवान राम के लुक पर दर्शक और फैंस चर्चा कर रहे हैं। फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियो और डीएनईजी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने वीएफएक्स में योगदान दिया है। इस महाकाव्य की पहली कड़ी दिवाली 2026 में आईमेक्स में रिलीज होगी, जबकि दूसरा हिस्सा दिवाली 2027 में देखने को मिलेगा। अरुण गोविल के राजा दशरथ के रूप में लौटने और इस स्टारकास्ट के साथ फिल्म के साथ जुड़ने से दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

किसी नए म्यूजिक प्रोजेक्ट पर काम कर रही अक्षरा सिंह

हाल ही में इंस्टाग्राम पर भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह कंडेसर माइक्रोफोन के सामने हाथ में कप लिए खड़ी नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, रोज थोड़ा बेहतर बनने और सीखने की कोशिश। इस पोस्ट को देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि अभिनेत्री किसी नए गाने या म्यूजिक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की उन कलाकारों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी एक्टिंग और गायिकी से लाखों दिल जीते हैं। हाल ही में उनका गाना बालम जी रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। कहा जाता है कि उनके माता-पिता भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे, जिससे अक्षरा ने इस क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने साल 2010 में रवि किशन के साथ फिल्म सत्यमेव जयते से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह तबादला, सरकार राज और सत्या जैसी एक्शन-रोमांस फिल्मों के लिए जानी गईं। अक्षरा टीवी इंडस्ट्री में भी सक्रिय रही हैं और उन्होंने बिग बॉस ओटीटी, सर्विस वाली बहू, पोरस और काला टीका जैसे शो में काम किया है। अभिनेत्री जल्द ही निरहुआ के साथ फिल्म सात फेरे चार वचन और अम्बे है मेरी मां में नजर आएंगी। दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है और जल्द ही ट्रेलर रिलीज होने वाला है, हालांकि फिल्म की रिलीज़ डेट अभी सामने नहीं आई है। इसके अलावा अक्षरा अपनी निजी जिंदगी और विवादों के कारण भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। अब फैंस उनकी अगली फिल्म और नए गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि अभिनेत्री अक्षरा सिंह सोशल मीडिया और अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। उनके फैंस हर पोस्ट को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं और उनकी एक झलक भी दर्शकों को नए प्रोजेक्ट का अंदाजा दे देती है।

'योगी दा' में साई धनशिका ने खुद किए दमदार स्टंट

अभिनेत्री साई धनशिका अपनी आने वाली फिल्म 'योगी दा' को लेकर सुर्खियों में हैं। साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेती इस एक्शन एंटरटेनर में दमदार स्टंट करती दिखाई देंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने एक इवेंट में बताया कि फिल्म में किए गए हर एक्शन सीक्वेंस उन्होंने बिना किसी बॉडी डबल के खुद पूरा किया है। उनका कहना है कि अगर महिलाएं ठान लें, तो वे किसी भी मामले में पुरुषों से पीछे नहीं हैं, खासकर स्टंट और एक्शन के मामले में। धनशिका ने कहा कि उनका पहला एक्शन अनुभव फिल्म 'पेरानमाई' में हुआ था, जिसने आगे चलकर उनकी काफी मदद की। 'योगी दा' में शूट किए गए सभी एक्शन सीन्स के दौरान उन्होंने खुद को लगातार चुनौती दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि फिल्म का संदेश बेहद महत्वपूर्ण है आज महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, और समाज अक्सर यह मान लेता है कि शारीरिक चोट के बाद एक महिला फिर से पहले जैसी नहीं हो सकती। लेकिन यह फिल्म यह दिखाती है कि महिलाएं किसी भी दर्द और मुश्किल से उबरकर और अधिक मजबूत बनकर वापस खड़ी हो सकती हैं। अभिनेत्री ने फिल्म के शीर्षक की दिलचस्प कहानी साझा करते हुए कहा कि 'योगी दा' का नाम रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। धनशिका ने 'कबाली' में रजनीकांत की बेटी 'योगी' का किरदार निभाया था। वहीं से इस फिल्म के नाम और लुक की प्रेरणा मिली। उन्होंने बताया कि 'कबाली' के लिए उन्होंने अपने बाल कटवाए थे, जिसके बाद कई महिलाओं ने भी प्रेरित होकर ऐसा ही किया। इस अनुभव ने उन्हें महसूस कराया कि फिल्मों का प्रभाव लोगों की सोच और जीवन पर कितना गहरा हो सकता है। धनशिका ने अपनी टीम का आभार जताते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्थन के बिना यह फिल्म संभव नहीं थी। उनका मानना है कि कलाकार का असली परिचय उसके काम से होता है, और वही उनकी मेहनत को दर्शाता है। गौतम कृष्णा द्वारा लिखित और निर्देशित 'योगी दा' को श्री मोनिका सिनी फिल्म्स के बैनर तले सेंथिलकुमार ने प्रोड्यूस किया है।

भारतीय महिलाएं ही असली हीरो होती हैं: रानी मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी का कहना है कि भारतीय महिलाएं ही असली हीरो होती हैं। रानी का मानना है कि जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी देश मजबूत बन पाएगा। वह हमेशा से अपनी फिल्मों के जरिए भारतीय महिलाओं को सकारात्मक और सशक्त छवि में प्रदर्शित करना चाहती हैं। अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मर्दानी 3' में दमदार किरदार निभाकर रानी मुखर्जी इन दिनों चर्चा में है। एक खास चर्चा में रानी ने कहा, 'जब से मैंने इस इंडस्ट्री में कदम रखा है, मेरा मकसद हमेशा भारतीय महिलाओं को उनकी असली रोशनी में दिखाना रहा है। चाहे वह पत्रकार हों, पुलिस अधिकारी हों, शिक्षक हों या गृहणी मेरे लिए वे सभी वास्तविक जीवन की मर्दानी हैं।' उन्होंने कहा कि फिल्मों के माध्यम से वह दुनिया को बताना चाहती हैं कि भारतीय महिलाएं कितनी मजबूत, खास और हकदार हैं। रानी मुखर्जी के अनुसार, महिलाओं का सशक्तीकरण सीधे देश की शक्ति से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'जब भारतीय महिलाएं सशक्त होंगी, तो देश भी सशक्त होगा। इसलिए मैं हमेशा ऐसे किरदार चुनती हूं, जो महिलाओं की ताकत और हिम्मत को सामने लाते हैं।' अपने फिल्मी सफर की शुरुआत से ही रानी ने एक से बढ़कर एक प्रभावशाली महिला किरदार निभाए हैं। 'राजा की आएगी बारात' में रेप सर्वाइवर, 'मेहंदी' में सामाजिक अन्याय से लड़ने वाली महिला, 'हिचकी' में टॉरेट सिंड्रोम से जूझती अध्यापिका, 'मर्दानी' फ्रेंचाइज़ में निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय और 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में अपने बच्चों के लिए पूरा सिस्टम चुनौती देने वाली मां देबिका—ये सभी किरदार समाज में महिलाओं की हिम्मत और संघर्ष को सामने लाते हैं। रानी का कहना है कि हर भारतीय महिला के भीतर एक अनोखी 'सुपरपावर' होती है। 'भारतीय महिलाएं बेहद खूबसूरती से अपने कर्तव्यों का निर्वाह करती हैं, परिवार और करियर के बीच संतुलन बनाती हैं और हर चुनौती का हिम्मत से सामना करती हैं। यही उनके भीतर छिपी वास्तविक शक्ति है,' उन्होंने कहा। नेशनल अवॉर्ड विजेता रानी मुखर्जी रोजमर्रा की जिंदगी में संघर्ष करने वाली महिलाओं को अपनी प्रेरणा मानती हैं। उन्होंने कहा, 'ये महिलाएं हर दिन हिम्मत के साथ आगे बढ़ती हैं और हर मुश्किल को पार करती हैं। मुझे अपने निभाए हर किरदार से प्रेरणा मिली है।' 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' की देबिका का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन जाती हैं।

मेधा राणा के लिए 'बॉर्डर 2' बनी मील का पत्थर

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा ने अपने भीतर चल रही असमंजस की जंग को जीतने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की। अभिनेत्री मेधा ने बताया कि साल 2022 से अब तक उनके जीवन में सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में मैं अक्सर खुद को लेकर उलझन में रहती थी। मुझे लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मेरे भीतर असुरक्षा पैदा करते थे और आगे बढ़ने में बाधा डालते थे।' मेधा ने आगे बताया कि शुरुआती दिन बेहद चुनौतीपूर्ण थे। उन्होंने लगातार खुद पर शक किया और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थीं। इंडस्ट्री को समझने, अपने आप को पहचानने और परिस्थितियों को स्वीकारने का सफर उनके लिए लंबी सीख साबित हुआ। मेधा ने कहा, 'मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया। अब मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को सहजता से स्वीकार करती हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी।' उन्होंने 'बॉर्डर 2' को करियर का अहम मोड़ बताया। दर्शकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया ने उनके भीतर नया भरोसा जगाया। उन्होंने कहा, 'जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है।' 'बॉर्डर 2' ने मुझे एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।' अभिनेत्री ने कहा कि अब वह अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर ज्यादा विश्वास करती हैं। यह आत्मविश्वास उनके जीवन की सबसे बड़ी ग्रोथ बन चुका है और उन्हें आगे बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। मेधा का यह सफर बताता है कि आत्मस्वीकृति और मेहनत के साथ किसी भी कलाकार के लिए असमंजस को पार करना संभव है। मालूम हो कि फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार कैमरे के सामने मजबूत दिखते हैं, लेकिन अंदर चल रही लड़ाई को वे अक्सर छुपाते हैं।

शाजिया इकबाल की आलोचना से मचा बवाल

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर ने रिलीज़ के बाद दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया और बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन इसी बीच एक जानी-मानी फिल्म निर्देशक की आलोचनात्मक टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। निर्देशक शाजिया इकबाल ने फिल्म की अप्रत्यक्ष रूप से आलोचना करते हुए इसे 'बेहद घटिया फिल्म' बताया और आरोप लगाया कि फिल्म में नफरत और हिंसा को बढ़ावा देने वाले तत्व मौजूद हैं। उन्होंने दावा किया कि ऐसा अनजाने में नहीं, बल्कि जानबूझकर किया गया है। हालांकि, शाजिया ने यह भी स्वीकार किया कि तकनीकी रूप से फिल्म बेहतरीन है और इसका बैकग्राउंड म्यूजिक बेहद प्रभावशाली है। उनके इस मिश्रित समीक्षा वाले बयान के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई यूज़र्स ने उनके बयान पर नाराज़गी जताई, वहीं कुछ ने इसे उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बताते हुए समर्थन किया। विवाद बढ़ने और लगातार ट्रोलिंग होने के बाद शाजिया इकबाल ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट प्राइवेट कर लिया। यह कदम साफ संकेत देता है कि ऑनलाइन आलोचना और विवाद ने उन पर असर डाला है। वहीं, फिल्म के समर्थक अब भी रणवीर सिंह और मेकर्स की तारीफ करते नजर आ रहे हैं, जबकि इस विवाद ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है।

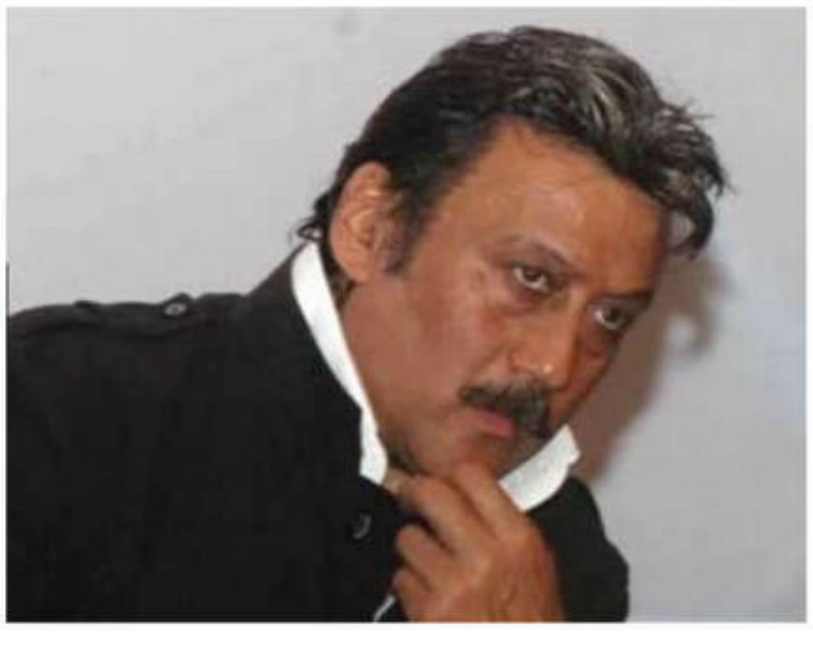

बचपन में जैकी श्रॉफ के लिए दो वक्त की रोटी का इंतजाम था मुश्किल

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने 69वां जन्मदिन मनाया। जैकी यानि की बॉलीवुड के 'भिडू' का सफर फिल्मों से कहीं ज्यादा दिलचस्प और संघर्षों से भरा रहा है। मुंबई की एक चॉल में पले-बढ़े जैकी का बचपन बेहद कठिनाइयों में गुजरा। परिवार की आर्थिक हालत इतनी कमजोर थी कि दो वक्त के भोजन का इंतजाम भी मुश्किल से होता था। जैकी के पिता काकूभाई श्रॉफ एक बिजनेसमैन थे, लेकिन घाटा लगने पर उन्होंने ज्योतिष का काम शुरू किया। वे जानते थे कि उनका बेटा जयकिशन काकूभाई श्रॉफ (जैकी) एक दिन बड़ा सितारा बनेगा, मगर गरीबी ने जैकी का विश्वास तोड़ दिया था। जैकी पढ़ाई में रुचि नहीं रखते थे। 7 साल की उम्र में पहली बार मां के कहने पर स्कूल गए, लेकिन पढ़ाई से हमेशा दूरी बनाकर रखी। एक बार उन्होंने पिता से पढ़ाई छोड़ने की इच्छा जताई तो पिता ने सहजता से कहा, 'कोई बात नहीं, वैसे भी तुम्हें एक्टर बनना है।' यह बात जैकी के दिल में बस गई। जीवनयापन के लिए जैकी ने कई छोटे-मोटे काम किए कभी मूंगफली बेची, कभी ताज होटल में शेफ का काम किया और कभी विज्ञापन एजेंसी में नौकरी की। इस संघर्षभरे दौर में बस स्टैंड पर एक अजनबी ने उनकी पर्सनैलिटी की तारीफ करते हुए उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। यही सलाह उनके जीवन का बड़ा मोड़ बनी। उन्होंने नेशनल एडवरटाइजिंग कंपनी का पहला मॉडलिंग प्रोजेक्ट हासिल किया और 7,500 रुपये कमाए, जो उस समय उनके लिए बड़ी रकम थी। कुछ मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स के बाद जैकी की मुलाकात देव आनंद से हुई और उन्हें 1982 की फिल्म 'स्वामी दादा' में पहला रोल मिला। हालांकि यह भूमिका छोटी थी, लेकिन इसी बीच उन्हें सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' में लीड रोल का बड़ा मौका मिला। शूटिंग के दौरान एक गंभीर दुर्घटना में उनकी नाक और जबड़ा टूट गया, लेकिन निर्देशक सुभाष घई ने उनका साथ नहीं छोड़ा और पूरी फिल्म उनके साथ मिलकर पूरी की। 'हीरो' के बाद जैकी श्रॉफ एक सुपरस्टार बन चुके थे। उन्होंने 'आज का दौर', 'युद्ध', 'कर्मा', 'त्रिमूर्ति', 'लज्जा', 'काश' और 'दिल ही तो है' जैसी सफल फिल्मों में बेहतरीन भूमिकाएं निभाईं। उनकी सहज अदाकारी, स्टाइल और सरल स्वभाव ने उन्हें दर्शकों का 'जैकी दादा' बना दिया। आज जैकी श्रॉफ मनोरंजन जगत के सबसे सम्मानित और प्रिय कलाकारों में से एक हैं एक ऐसा सितारा जिसने गरीबी, संघर्ष और हादसों को मात देकर हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई। बता दें कि हिंदी सिनेमा में कई ऐसे कलाकार हुए जिन्होंने न केवल अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता, बल्कि अपनी स्टाइल और व्यक्तित्व से युवाओं के लिए फैशन आइकॉन भी बने। इनमें सबसे चमकता नाम है बॉलीवुड के 'भिडू', यानी जैकी श्रॉफ का।

जालंधर मर्डर केस पर गरमाई सियासत, सुखबीर बादल ने पंजाब सरकार पर कसा तंज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। जालंधर में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता की सरेआम गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले ने पंजाब की राजनीति को गरमा दिया है। इस घटना को लेकर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सुखबीर बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि पंजाब में अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुके हैं और हालात इतने खराब हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी के अपने नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि आम आदमी पार्टी के नेता अपनी ही सरकार में असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, जो कानून-व्यवस्था की विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने जालंधर के मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारा साहिब के बाहर हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता लक्की ओबराए की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात न सिर्फ चौंकाने वाली है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं बचा है। सुखबीर बादल के मुताबिक, सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की घटना राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। अकाली दल प्रमुख ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2026 में अब तक पंजाब में करीब 25 हत्याएं हो चुकी हैं, जबकि महीने के पहले सप्ताह में ही 9 हत्याओं के मामले सामने आए थे। उन्होंने कहा कि ये वारदातें किसी एक इलाके तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे राज्य में फैल चुकी हैं। चाहे कोर्ट कॉम्प्लेक्स हो, व्यस्त बाजार, शादी समारोह का स्थल हो या फिर गुरुद्वारा साहिब के बाहर—अपराध हर जगह हो रहे हैं। सुखबीर बादल ने सरकार और पुलिस द्वारा गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार भले ही सख्त कार्रवाई के दावे करे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

भाजपा विधायक को 'लुटेरा' कहने वाले उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पर एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। सरोजनी नगर से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह को 'लुटेरा' कहने के मामले में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर की गई है। यह मामला अजय राय द्वारा एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान दिए गए बयान से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने विधायक पर देश और प्रदेश को लूटने का आरोप लगाया था। भाजपा नेता शिवशंकर सिंह उर्फ शंकरी की शिकायत पर सरोजनी नगर थाने में यह मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में बताया गया कि 1 फरवरी 2026 को सरोजनी नगर के गौरी-बिजनौर रोड स्थित नटकुर तिराहा पर एक राजनीतिक सभा आयोजित की गई थी। इस सभा को संबोधित करते हुए अजय राय ने कहा था कि विधायक राजेश्वर सिंह देश और प्रदेश को लूटने का काम कर रहे हैं और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में रहते हुए भी लूट-खसोट जारी रही। शिकायतकर्ता के अनुसार, अजय राय का बयान पूरी तरह असत्य, तथ्यहीन और मानहानिकारक है, जिससे विधायक की छवि को नुकसान पहुंचा है। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि भाषण को योजनाबद्ध तरीके से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। भाजपा नेता ने 'रुद्रदमन सिंह' नामक फेसबुक अकाउंट से वीडियो साझा किए जाने का आरोप लगाया है।

बिहार में नीट छात्रा की मौत का मामला : राबड़ी देवी ने पुलिस पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता राबड़ी देवी ने राज्य में नीट छात्रा की मौत के मामले में पुलिस और सरकार पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया है। यह घटना पिछले महीने 6 जनवरी को पटना के चित्रगुप्त नगर स्थित छात्रावास में हुई थी। जहानाबाद निवासी छात्रा को अचेत अवस्था में पाया गया था और कई दिनों तक कोमा में रहने के बाद 11 जनवरी को उसने निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। बजट सत्र के तीसरे दिन विधानपरिषद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि राज्य में किसी भी जिले में अपराध नहीं हो रहे हैं ऐसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और गृह मंत्री इस मामले में चुप हैं और सभी तथ्यों को छिपाने के बाद इसे सीबीआई को सौंप दिया गया। राबड़ी देवी ने कहा कि सरकार दोषियों को बचाने की कोशिश कर रही है क्योंकि अपराध में शामिल लोग सरकार का हिस्सा हैं। सीबीआई क्या करेगी? यह एजेंसी भी केंद्र सरकार के नियंत्रण में है। इस मामले पर जनता दल यूनाइटेड के विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने राबड़ी देवी की टिप्पणियों को मीडिया में सुर्खियां बटोरने की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार अपराधियों को कानूनी कार्रवाई से नहीं बचाती और इस तरह के आरोप निराधार हैं। परिवार ने अधिकारियों पर मामले को दबाने का आरोप लगाया था। बिहार सरकार ने मामले की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से सिफारिश की थी। फिलहाल विशेष जांच दल इस घटना की जांच कर रहा है। राबड़ी देवी ने विधानसभा में कहा कि इस बजट में बिहार के लोगों के लिए कुछ नहीं है और सरकार केवल जनता को गुमराह कर वोट हासिल करने की कोशिश कर रही है।

रांची के जाने-माने कारोबारी और बिल्डर अनुराग सरावगी ने की आत्महत्या

रांची (एजेंसी)। रांची के जाने-माने बिल्डर और व्यवसायी अनुराग सरावगी ने मेन रोड स्थित ब्लेयर अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से न केवल इलाके में हड़कंप मच गया, बल्कि राजधानी के कारोबारी जगत में भी शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार अनुराग सरावगी गुरुवार रात करीब 11 बजे अपार्टमेंट में अपने फ्लैट की बालकनी से नीचे कूद गए। ऊंचाई से गिरने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। तेज आवाज सुनकर अपार्टमेंट के सुरक्षाकर्मी और स्थानीय लोग घटनास्थल की ओर पहुंचे, जहां उनका शव पड़ा मिला। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि अनुराग गुरुवार की रात घर पर अकेले थे। उनकी पत्नी और दोनों बच्चे किसी रिश्तेदार के यहां तमिलनाडु गए हैं। अपार्टमेंट में रहने वाले कुछ लोगों ने पुलिस को बताया है कि वह देर रात किसी से मोबाइल पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदपीढ़ी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी, कोतवाली डीएसपी समेत वरीय पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

सरकारी जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा, एयर इंडिया के 70 फीसदी विमानों में तकनीकी खराबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया के बेड़े को लेकर एक चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। सरकार ने संसद में जानकारी दी है कि एयरलाइन के हर 10 में से 7 विमानों में किसी न किसी तरह की तकनीकी खामी पाई गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एयर इंडिया के लगभग 70 फीसदी विमान तकनीकी रूप से समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जो सभी भारतीय एयरलाइन्स में सबसे अधिक है।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में बताया कि जनवरी 2025 से 3 फरवरी 2026 तक विभिन्न एयरलाइनों के कुल 377 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने के मामले दर्ज किए गए। सरकार द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि एयर इंडिया के जिन 166 विमानों की जांच की गई, उनमें से 137 विमानों में तकनीकी खामियां पाई गईं। इसी समूह की अन्य कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के भी 101 विमानों में से 54 में बार-बार खराबी की बात सामने आई है। जांच के

दायरे में केवल एयर इंडिया ही नहीं, बल्कि अन्य निजी एयरलाइन्स भी रहीं। इंडिगो के 405 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 148 विमानों में तकनीकी समस्याएं मिलीं। वहीं, स्पाइसजेट के 43 विमानों में से 16 और अकासा एअर के 32 विमानों में से 14 विमानों में बार-बार गड़बड़ी होने की पुष्टि हुई है। इस अवधि के दौरान विमानन सुरक्षा नियामक, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए कुल 3,890 निगरानी निरीक्षण किए।

हालांकि, मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले तीन वर्षों में उड़ानों के दौरान तकनीकी खराबी की कुल घटनाओं में धीरे-धीरे कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में खराबी के 448 मामले सामने आए थे, जो 2024 में घटकर 421 रह गए। सरकार का दावा है कि डीजीसीए के पास हवाई अड्डा संचालकों और विमानों की निगरानी के लिए एक व्यवस्थित सुरक्षा तंत्र मौजूद है, जिसके तहत औचक निरीक्षण और नियामक ऑडिट किए जाते हैं। नियमों के उल्लंघन या सुरक्षा मानकों में कोताही पाए जाने पर डीजीसीए द्वारा सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जाती है। एयरलाइन्स के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे किसी भी तकनीकी घटना की रिपोर्ट तुरंत नियामक को दें। ऑडिट के दौरान मिलने वाली कमियों को दूर करने के लिए संबंधित एयरलाइन्स को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए जाते हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र, कहा- गोवंश यदि सुरक्षित हैं इसका हो परीक्षण

वाराणसी(एजेंसी)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गोवंश को लेकर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि हाल ही में राज्य के पशुपालन मंत्री ने उनके द्वारा उठाए गए गोकशी के गंभीर मुद्दे को 'भ्रम' और 'असत्य' करार दिया। मंत्री ने दावा किया था कि राज्य में गो-वंश पूर्णतः सुरक्षित है। शंकराचार्य ने पत्र में कहा कि धर्मसत्ता और राजसत्ता के बीच सत्य की स्थापना के लिए आवश्यक है कि दावों का धरातलीय एवं वैज्ञानिक परीक्षण हो। यदि शासन का विश्वास अडिग है कि राज्य में गोहत्या पूर्णतः बंद हो चुकी है, तो पारदर्शिता के लिए ज्योतिषपीठ के प्रतिनिधियों को कुछ बिंदुओं पर अनुमति एवं पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए। उन्होने मांग की कि निर्यातित मांस का डीएनए परीक्षण कराया जाए। हापुड़, अलीगढ़, मेरठ और उन्नाव जैसे निर्यात केंद्रों से रैंडम सैंपलिंग कर स्वतंत्र जांच की अनुमति दी जाए। चर्म शोधन इकाइयों का निरीक्षण किया जाए। कानपुर एवं अन्य क्षेत्रों में आने वाली खालों के वैज्ञानिक परीक्षण हेतु प्रवेश की अनुमति प्रदान की जाए। परिवहन एवं सीमा निरीक्षण किया जाए। अंतर्राज्यीय सीमाओं और प्रमुख मार्गों पर संदिग्ध वाहनों के आकस्मिक निरीक्षण में प्रशासनिक सहयोग दिया जाए। नगर निकायों एवं निजी वधशालाओं की व्यवस्था की धरातलीय जांच के लिए 'सरप्राइज ऑडिट' का अधिकार प्रदान किया जाए। इसके अलावा गौशाला एवं निस्तारण केंद्रों का ऑडिटरू सरकारी गौशालाओं में मृत्यु के कारणों एवं शवों के निस्तारण की प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराई जाए और अधिकृत प्रयोगशालाओं की सूची जारी की जाए। शंकराचार्य ने कहा कि इन बिंदुओं के तहत संकलित नमूनों की निष्पक्ष जांच के लिये शासन द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की सूची उपलब्ध कराई जाए, जिनकी रिपोर्ट को शासन साक्ष्य के रूप में स्वीकार करता हो। इससे भविष्य में जांच परिणामों पर कोई विवाद नहीं रहेगा।

उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप जारी: पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड और कोहरे का दोहरा सितारा जारी है। हिमाचल प्रदेश के 14 शहरों में रात का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज किया गया है, जिससे समूचा राज्य शीत लहर की चपेट में है। मौसम विभाग ने मैदानी इलाकों के लिए घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। आने वाले दिनों में हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और मंडी के निचले इलाकों में दृश्यता काफी कम रहने का अनुमान है।

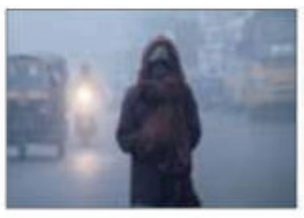

केवल हिमाचल ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी ठंड ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मध्य प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर खत्म होते ही उत्तरी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। राज्य के ग्वालियर समेत 8 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया है, जबकि 30 से अधिक जिलों में घना कोहरा देखा गया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी सुबह के समय घने कोहरे और बर्फीली हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। पहाड़ी राज्यों में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 9 फरवरी से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी का नया दौर शुरू हो सकता है। उत्तराखंड में 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर बारिश और हिमपात की संभावना है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 10 और 11 फरवरी को राज्य के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश और बर्फबारी के आसार जताए गए हैं। आगामी 7 और 8 फरवरी को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में सुबह के वक्त घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। इस दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है, जिससे सुबह और रात की ठंड और अधिक महसूस होगी। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही हलचल का सीधा असर मैदानी इलाकों के तापमान पर पड़ेगा, जिससे फिलहाल सर्दी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। प्रशासन ने कोहरे को देखते हुए वाहन चालकों को सावधानी बरतने और ठंड से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने की सलाह दी है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा: नए उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के विरोध में भारी बवाल

चुराचांदपुर (एजेंसी)। मणिपुर में नई सरकार के गठन और शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही राज्य में एक बार फिर अशांति का माहौल पैदा हो गया है। विशेष रूप से चुराचांदपुर जिले में गुरुवार को स्थिति उस समय अनियंत्रित हो गई, जब नए उपमुख्यमंत्रियों के रूप में नेमचा किपगेन और एल दिखो के शपथ ग्रहण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हिंसक संघर्ष में बदल गया। पूरे क्षेत्र में व्याप्त भारी तनाव को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा बल तैनात कर दिए हैं।

हिंसा की शुरुआत गुरुवार शाम करीब 6 बजे तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में हुई। यहां सैकड़ों की संख्या में युवा प्रदर्शनकारी सड़क पर उतर आए और सुरक्षा बलों को पीछे धकेलने की कोशिश करने लगे। जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया, तो भीड़ उग्र हो गई और पत्थरबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने सड़क के बीचों-बीच टायर जलाकर आवागमन बाधित कर दिया। युवाओं का यह आक्रोश उस समय चरम पर पहुंच गया, जब उन्हें सूचना मिली कि कुकी-जोमी समुदाय के तीन विधायक सरकार का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इनमें नेमचा किपगेन ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है,

जबकि एलएम खाउते और नगुरसंगलुर के भी सरकार में शामिल होने की खबरें हैं। स्थानीय कुकी संगठनों ने पहले ही अपने समुदाय के विधायकों को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि वे वर्तमान परिस्थितियों में सरकार में शामिल न हों। समुदाय का एक बड़ा धड़ा इस बात से आहत है कि इंफाल में हुई पिछली हिंसा के दौरान जान-माल और धार्मिक स्थलों का भारी नुकसान हुआ था, जिसकी टीस अभी भी बरकरार है। समुदाय का मानना है कि ऐसे समय में सत्ता में साझेदारी करना उनके हितों और भावनाओं के खिलाफ है। इसी नाराजगी के चलते चुराचांदपुर में विरोध प्रदर्शन और बंद का आह्वान किया गया।

राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो, एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के करीब एक साल बाद राज्य में नई सरकार का उदय हुआ है। युमनाम खेमचंद सिंह ने मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला है। उनके साथ भाजपा की नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के एल दिखो ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। इस नई राजनीतिक व्यवस्था को क्षेत्रीय गुटों ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जिससे टकराव की स्थिति बनी हुई है। हालात पर काबू पाने के लिए असम राइफल्स और पुलिस के जवानों को मोर्चे पर लगाया गया है। शुरुआती झड़पों के बाद सुरक्षा बलों को कुछ समय के लिए पीछे हटना पड़ा, लेकिन भीड़ के लगातार बढ़ते दबाव को देखते हुए अंततः आंसू गैस के गोले छोड़े गए। वर्तमान में, आदिवासी संगठन ज्वाइंट फोरम ऑफ सेवन ने सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक पूर्ण बंद का आह्वान किया है। संगठन ने सख्त चेतावनी दी है कि यदि कोई विधायक या नेता इस बंद और समुदाय की भावनाओं का उल्लंघन करता है, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सुरक्षा एजेंसियां संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च कर रही हैं ताकि स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सके।

तिलक, तालियाँ और तराने, न्यू ईडन में सजा सम्मान का यादगार समारोह

दीप प्रज्वलन से फेयरवेल तक: न्यू ईडन में सम्मान और उमंग का संगम

संस्कारयुक्त शिक्षा का संदेश, रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ सजा सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

स्थानीय न्यू ईडन सीनियर सेकेंडरी स्कूल (हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम) में गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और अतिथियों की सजीव उपस्थिति ने आयोजन को यादगार बना दिया। समारोह के मुख्य अतिथि संस्था निदेशक डॉ. अनिल गोदारा रहे। विशिष्ट अतिथियों में न्यू ईडन पीजी गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनीता, न्यू इंडियन स्कूल की संस्था अध्यक्ष श्रीमती सरिता, विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार यादव तथा न्यू इंडियन इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती पिंकी उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

विद्यार्थियों ने अतिथियों का स्वागत वेलकम गीत से किया। इसके पश्चात प्रियांशु, तनीषा, रितिका, दिव्यांशी, रिंकू, योगेश एवं उनकी टीम ने 'मरुधरिया में चाले ऊंट गाड़ो' पर आकर्षक प्रस्तुति दी। रितिका एवं समूह ने 'फनी डांस' प्रस्तुत किया, वहीं आशा एवं साथियों ने 'चाचा चौधरी' पर मनोरंजक प्रस्तुति दी। खुशी सोमरा, मनीषा और बिट्टू ने 'लंदन ठुमकदा' सहित राजस्थानी, पंजाबी और हिंदी लोक संस्कृति से ओतप्रोत रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं।

परंपरा और सम्मान की अनूठी मिसाल

कक्षा 11 के जूनियर विद्यार्थियों ने कक्षा 12 के सीनियर विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। वहीं सीनियर विद्यार्थियों ने भी अपने शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यह दृश्य भावुक और प्रेरणादायक रहा। कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनीता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सीमित अवसरों का भरपूर लाभ उठाकर अपने लिए सफलता के द्वार खोलें, ताकि देश, समाज और माता-पिता का नाम रोशन हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संस्कारयुक्त शिक्षा का संदेश- डॉ गोदारा

निदेशक अनिल गोदारा

मुख्य अतिथि डॉ. अनिल गोदारा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा के पालन, शिक्षकों को प्रेरणास्रोत मानने और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। बोर्ड परीक्षाओं को लेकर उन्होंने विशेष रूप से कहा कि विद्यार्थी किसी भी प्रकार के संदेह या भ्रम में न रहें, बल्कि नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा की तैयारी करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेहनत और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है।

मिस्टर और मिस फेयरवेल का चयन

कार्यक्रम के दौरान पीयूष कुमावत को मिस्टर फेयरवेल तथा भावना को मिस फेयरवेल घोषित किया गया। इस अवसर पर स्टाफ सदस्य भीम सिंह यादव, संतोष कुमार, विजेंद्र सिंह, विजेंद्र कुमार सैनी, अजीत सिंह, रितु शर्मा, सुनीता सिंह, चेतना, पूनम, सुशीला, रविंद्र सिंह, राजेश कुमार, ज्योति भाटी, रचना यादव, ममता, मनीषा, विजय सिंह, सोमवीर सिंह, सुमित्रा सहित अनेक गणमान्य अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन छात्रा प्रियांशु एवं दीक्षा ने किया। समारोह ने विद्यार्थियों को न केवल सम्मान का अनुभव कराया, बल्कि शिक्षा, संस्कार और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com